P372

इंदौर, सोमवार 29 जून 2026
वर्ष : 5 अंक : 208
पृष्ठ : 6 मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

बारिश के मौसम में नहीं चलेगी लापरवाही

पेज-2

दीया मिर्जा ने सलमान खान की भविष्यवाणी को किया याद

पेज-5

फर्जी नामांतरण की जांच में अब 3 सदस्यीय कमेटी करेगी पड़ताल

पेज-6

शक्ति प्रदर्शन की कोशिश पर गुटबाजी भारी, कई नेताओं ने बनाई कार्यक्रम से दूरी

दिग्विजय व जीतू की मौजूदगी भी नहीं जुटा सकी संगठन, कांग्रेस की कमजोरी उजागर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

महू ◫ ग्राम चोरल में कांग्रेस नेता अशोक सैनी द्वारा आयोजित महिला संवाद एवं कार्यकर्ता सम्मेलन राजनीतिक से ज्यादा कांग्रेस के संगठन की कमजोरी को लेकर चर्चा में रहा। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेर कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी के बावजूद कांग्रेस से जुड़े कई वरिष्ठ नेता और जमीनी कार्यकर्ता कार्यक्रम से दूर रहे। इससे पार्टी के अंदर चल रही गुटबाजी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई।

कार्यक्रम में महिलाओं की भीड़ जुटाने के लिए चुनरी एवं कलश यात्रा निकाली गई। इसके एक दिन पहले क्षेत्र में साड़ियों का वितरण भी किया गया, जिससे धार्मिक आस्था के चलते बड़ी संख्या में महिलाएं पंडाल तक पहुंचीं। इसके विपरीत पुरुष कार्यकर्ताओं और कांग्रेस के जमीनी नेताओं की उपस्थिति अपेक्षा से काफी कम रही। राजनीतिक गलियारों में इसे कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन से ज्यादा चुनरी यात्रा के सहारे भीड़ जुटाने का प्रयास माना जा रहा है। कार्यक्रम के अगले दिन कांग्रेस की गुटबाजी, संगठन की कमजोरी और स्थानीय नेताओं की उपेक्षा पूरे दिन चर्चा का विषय बनी रही। सवाल यह भी उठे कि जिस क्षेत्र में आयोजन हुआ, उससे लगे गांवों के कई सक्रिय कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में क्यों नहीं पहुंचे?

बड़े नेताओं के सामने भी नहीं दिखी संगठन की ताकत

कार्यक्रम में मंच पर प्रदेश के बड़े नेता मौजूद थे, लेकिन स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को जोड़ने के प्रयास नजर नहीं आए। यदि सभी गुटों को साथ लेकर तैयारी की जाती तो यह आयोजन कांग्रेस की ताकत का बड़ा प्रदर्शन बन सकता था। इसके उलट यह कार्यक्रम कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, गुटबाजी और कमजोर संगठन को लेकर ज्यादा चर्चा में रहा।

गुटबाजी, निजीकरण और उपेक्षा की चर्चा

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार... कार्यक्रम का पूरा संचालन सीमित लोगों तक ही सिमटा रहा। कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें न तो समय पर सूचना दी गई और न ही तैयारियों में शामिल किया गया। कार्यक्रम के निजीकरण और संगठन की अनदेखी के कारण बड़ी संख्या में सक्रिय कार्यकर्ताओं ने दूरी बना ली। कार्यक्रम में जिला युका अध्यक्ष गजेंद्र राठौर, कांग्रेस नेता विजेंद्र चौहान, वरिष्ठ नेता महेश वर्मा, शेखर मालवी, यदुनंदन पाटीदार, बाबूलाल भूत, कार्यवाहक अध्यक्ष हरिराम जलवानिया, ब्लॉक अध्यक्ष विष्णु मालवीय, मनमोहन गुणावत मानपुर, ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. अजयसिंह धनावत, जनपद सदस्य विक्रम सिसोदिया, कोदरिया क्षेत्र के वरिष्ठ नेता संजय मामा, जगदीश यादव सहित अनेक महिला नेत्रियां, मंडलम एवं सेक्टर अध्यक्ष, कई जनपद सदस्य, सरपंच और बड़ी संख्या में सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ता नदारद रहे।

15 वर्षों से संगठन अधूरा- महू कांग्रेस के संगठन को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। बताया जाता है कि पिछले करीब 15 वर्षों से शहर कांग्रेस अध्यक्ष और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर स्थायी नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं। इसका सीधा असर संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर दिखाई दे रहा है। प्रदेश के अधिकांश जिलों और ब्लॉकों में संगठन की नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं, लेकिन महू अब भी इससे अछूता है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर महू में नियुक्तियां लंबित रहने के पीछे क्या कारण हैं? क्या स्थानीय नेताओं की जिला और प्रदेश नेतृत्व तक प्रभावी पकड़ नहीं है या फिर महू को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है? स्थानीय नेताओं का कहना है कि यदि समय रहते संगठन को मजबूत कर कार्यकर्ताओं को साथ नहीं जोड़ा गया तो आगामी विधानसभा सहित अन्य चुनावों में कांग्रेस को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

मानसून का सीजन आने पर जागा निगम, टेंडर से होगी मरम्मत !

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ◫ शहर एक बार फिर सड़कों और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर सवालों के घेरे में है। मानसून की दस्तक के साथ शहर की कई सड़कें गड्ढों, कीचड़ और धंसाव की समस्या से जूझ रही हैं। इसी बीच नगर निगम ने शहर के विभिन्न जोनों में सड़क मरम्मत, गड्ढे भरने और कीचड़ हटाने के लिए निविदाएं जारी की हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब बारिश का मौसम शुरू हो चुका है तो अब निकाली गई निविदाओं के जरिए जनता को राहत कब मिलेगी?

निविदा दस्तावेजों के अनुसार शहर के विभिन्न जोनों में सड़कों के गड्ढे भरने, कीचड़ हटाने और मरम्मत के लिए अलग-अलग पैकेज जारी किए गए हैं। इनमें कई कार्यों की अवधि 90 दिन, 120 दिन, 180 दिन और यहां तक कि 240 दिन निर्धारित की गई है। टेंडर प्रक्रिया, तकनीकी स्वीकृति, वर्क ऑर्डर और वास्तविक काम शुरू होने में लगने वाले समय को जोड़ें तो स्पष्ट है कि बारिश का बड़ा हिस्सा बीत जाने के बाद ही कई स्थानों पर काम जमीन पर दिखाई देगा। एमआर-10, सुपर कॉरिडोर, बायपास से जुड़ने वाले मार्गों सहित कई कॉलोनियों और मुख्य सड़कों पर गड्ढे और जलभराव की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। निविदा में करोड़ों रुपए के कार्य प्रस्तावित हैं। विभिन्न जोनों में लाखों से लेकर करोड़ों रुपए तक के अनुमानित कार्यों के लिए ठेकेदारों से निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

विपक्षी दलों और नागरिक संगठनों का आरोप है कि निगम हर वर्ष मानसून से पहले तैयारी के दावे करता है, लेकिन अधिकांश कार्य कागजों और टेंडरों में ही उलझे रहते हैं। जब तक प्रक्रिया पूरी होती है, तब तक पूरा सीजन निकलने की स्थिति बन जाती है। अब शहरवासियों की नजर इस बात पर है कि नगर निगम इन निविदाओं को कितनी तेजी से अंतिम रूप देता है और क्या इस मानसून में लोगों को गड्ढों और कीचड़ से वास्तव में राहत मिल पाएगी या फिर यह टेंडर भी अगले सीजन की तैयारी बनकर रह जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

- असम में बाढ़ : धेमाजी में केमी नदी पर बना 300 मी. लंबा लोहे का पुल बहा
- नर्स सरला भट हत्याकांड में बड़ा मोड़, यासीन मलिक समेत 5 के खिलाफ चार्जशीट तैयार
- सेशेल्स की आजादी के 50वें साल के जश्न में गेस्ट ऑफ ऑनर बने पीएम नरेंद्र मोदी
- समुद्र में बड़ा रेस्क्यू : भारतीय तटरक्षक बल ने संकट में फंसे मालवाहक जहाज को बचाया
- ग्लोबल ट्रेड वॉर : जापानी सेना से संबंध रखने वाली 20 कंपनियों पर चीन ने कसा शिकंजा
- दिल्ली : यमुना पुल से शख्स ने नदी में लगाई छलांग, तलाश जारी
- जम्मू-कश्मीर : लाइन ऑफ कंट्रोल पार कर रहे पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार
- पटना : दीदारगंज के वनस्पति तेल गोदाम में लगी भीषण आग
- पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में बरसाए बम, 34 की मौत

सिंधिया ने खड़े-खड़े ट्रेन का समय बदलवा दिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

गुना ◫ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना रेलवे स्टेशन पर बीना-रुठियाई-बीना मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री का एक अलग ही जनसेवक रूप देखने को मिला, जब उन्होंने स्थानीय और दैनिक यात्रियों की मांग पर तुरंत संज्ञान लिया।

सिंधिया ने मौके पर ही मौजूद रेलवे के डीआरएम को निर्देश देकर मेमू ट्रेन की वापसी का समय 45 मिनट आगे बढ़वा दिया, ताकि इंदौर से आने वाले यात्रियों को अशोकनगर, मुंगावली और बीना के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिल सके। चार दिवसीय संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आए केंद्रीय ज्योतिरादित्य सिंधिया रविवार को पूरी तरह विकास और जनसेवा के रंग में रंगे नजर आए। सुबह से लेकर देर रात तक सिंधिया ने स्वास्थ्य, कृषि, रेलवे और धार्मिक आस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और गुना वासियों को करोड़ों रुपये की सौगातें दीं। इससे पहले, रात के समय केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने गुना रेलवे स्टेशन पहुंचकर बीना-रुठियाई-बीना मेमू ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। यह नई रेल सेवा विद्यार्थियों, दैनिक यात्रियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहद किफायती साबित होगी।

संघ संभालेगा कमान!

चढ़ावा चोरी के बाद राम मंदिर ट्रस्ट नए सिरे से बनेगा

अयोध्या (एजेंसी) ◫ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी चढ़ावा चोरी के मामले पर नजर बनाए है। संघ प्रमुख मोहन भागवत के निर्देश पर पूर्वी यूपी के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार अयोध्या पहुंचे हैं। वे साधु-संतों, महंतों और मंदिर से जुड़े लोगों से मिलकर लगातार बात कर रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि राम मंदिर ट्रस्ट में नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। पीएम मोदी के विदेश से लौटने के बाद ट्रस्ट के दोबारा गठन पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। इसमें अयोध्या के संतों और समाज के कई वर्गों को जिम्मेदारी देने पर मंथन चल रहा है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से इस्तीफा देने के बाद महासचिव चंपत राय रविवार शाम अयोध्या से दिल्ली रवाना हो गए। वे दोपहर तीन बजे तक राम मंदिर में ही थे। सूत्रों का कहना है कि चंपत राय अब 11 जुलाई को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में शामिल हो सकते हैं। उसी दिन उनके इस्तीफे पर विचार होना है। चंपत राय ने शुक्रवार को इस्तीफा दिया था।

प्रदेश के शहरी परिवहन में होगा जुलाई से बड़ा बदलाव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ◫ पर्यावरण अनुकूल और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली एसी इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत सबसे पहले इंदौर से होगी। पहले चरण में इंदौर के 8 रूटों पर 150, भोपाल के 10 रूटों पर 100 और जबलपुर में 100 ई-बसें चलेंगी।

केंद्र सरकार की इस योजना के तहत मध्य प्रदेश के छह शहरों में कुल 582 ई-बसें चलाई जाएंगी। बसों के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को दी गई है। टिकटिंग की व्यवस्था डिजिटल प्लेटफॉर्म 'चलो ऐप' के माध्यम से होगी। पहले चरण में इंदौर, भोपाल और जबलपुर के बाद दूसरे चरण में ग्वालियर, सागर और उज्जैन में सेवा शुरू की जाएगी। मंडे स्टोरी में जानिए 25-सीटर वातानुकूलित ई-बसों का संचालन, रूट, संभावित किराया और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाएं।

ऑपरेटर की भूमिका: ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ड्राइवर, कंडक्टर और मेंटेनेंस स्टाफ उपलब्ध कराएगी।

भुगतान की दर: कंपनी को संचालन के लिए 58.14 रुपए प्रति किलोमीटर का भुगतान मिलेगा। इसमें 22 रुपए प्रति किमी केंद्र सरकार सब्सिडी देगी, जबकि 36.14 रुपए प्रति किमी राज्य सरकार वहन करेगी।

न्यूनतम दूरी की शर्त : प्रत्येक बस के लिए प्रतिदिन न्यूनतम 180 किलोमीटर चलना अनिवार्य होगा।

कार्यसमिति में जगह न मिलने से कई पूर्व जिला अध्यक्ष नाराज

ओरछा में भाजपा की बैठक के लिए तैयारियां शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ◫ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की ताजपोशी के एक साल बाद होने वाली पहली कार्यसमिति की बैठक को लेकर संगठन ने अभी तारीख तय नहीं की है। प्रदेश अध्यक्ष अनौपचारिक तौर पर 15-16 जुलाई अर्थात जगन्नाथ रथ यात्रा के बाद ओरछा में करने का ऐलान कर चुके हैं। बैठक में आगामी चुनावों से लेकर संगठन के रोड-मैप पर भी चर्चा होगी। भाजपा की नवगठित कार्यसमिति की इस बैठक में सत्ता-संगठन से जुड़े कई मुद्दों पर विचार मंथन किया जाएगा। मिशन 2028 की तैयारी को लेकर भी चर्चा की जाएगी। इस दौरान संगठन के कुछ नेताओं को विधानसभाओं की जवाबदारी सौंपी जाएगी। कार्यसमिति में नगरीय निकाय चुनावों की रणनीति पर भी चर्चा की जाएगी।

पूर्व जिलाध्यक्षों ने जताई आपत्ति

कार्यसमिति में नए-पुराने चेहरों के साथ ऐसे नेताओं को भी जगह दी गई है जो विधानसभा / लोकसभा चुनाव के दौरान दूसरे दलों से भाजपा में शामिल हुए थे। लेकिन पार्टी अध्यक्ष ने संख्या सीमित रखने के फेर में इस बार उन्हें कार्यसमिति में स्थान नहीं दिया। इस वजह से पार्टी के अनेक पूर्व अध्यक्षों में असंतोष भी है। कुछ नेताओं ने इस बारे में प्रदेश मुख्यालय पहुंचकर अपनी आपत्ति भी जताई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पूर्व जिलाध्यक्षों को संगठन में जवाबदारी सौंपने की कवायद चल रही है।

पिकनिक स्पॉट बने जोखिम के सफर पिछले 5 सालों में 66 लोगों की मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ◫ इंदौर ग्रामीण पुलिस के आंकड़ों के अनुसार 2022 से 23 जून, 2026 के बीच इंदौर के ग्रामीण इलाकों में पिकनिक स्पॉट पर 66 लोगों की मौत हुई। ये आंकड़े तब सामने आए हैं जब ज़िला प्रशासन ने हादसों को रोकने के लिए मॉनसून के दौरान कई ज़्यादा जोखिम वाले और सुनसान पर्यटन स्थलों पर लोगों के जाने पर रोक लगा दी है।

आंकड़ों से पता चलता है कि मरने वालों की संख्या 2022 में 9 से बढ़कर 2023 में लगभग दोगुनी यानी 17 हो गई। 2024 और 2025 में भी मरने वालों की संख्या ज़्यादा रही—हर साल 14 मौतें हुईं—जबकि 2026 में 23 जून तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

इस दौरान हुई कुल मौतों में से आधे से ज़्यादा मौतें बड़गोंडा और सिमरोल इलाकों में हुईं। बड़गोंडा इलाके में आने वाले बमनिया कुंड में सबसे ज़्यादा मौतें हुईं; इसके बाद सिमरोल पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले टिंचा फॉल्स, जूनापानी, लोधिया कुंड, चोरल और रोशियाबाबा दरगाह कुंड का नंबर आता है।

उमाकांत चौधरी ने बताया कि मरने वालों में ज़्यादातर छात्र और युवा होते हैं, जो वीकेंड और मॉनसून के दौरान झरनों और सुनसान पिकनिक स्पॉट पर जाते हैं। उन्होंने कहा, 'कई लोग तस्वीरें लेने, वीडियो बनाने या पानी में उतरने के लिए बैरिकेड पार कर जाते हैं या प्रतिबंधित इलाकों में चले जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

दो अलग-अलग मामलों में अवैध शराब सहित दो मोटरसाइकिलें जब्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देशन में जिलेभर में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विभिन्न आबकारी दलों द्वारा इंदौर जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में चेक प्वाइंट बनाकर सघन वाहन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रविवार, 28 जून को आबकारी विभाग की टीमों ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब का परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा अवैध मदिरा एवं परिवहन में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें जब्त कीं।

आईटीआई एवं आईआईटी मिलकर कौशल विकास को देंगे नई दिशा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ शासकीय संभागीय आईटीआई इंदौर की प्राचार्य श्रीमती रीना सोलंकी एवं ट्रेनिंग, प्लेसमेंट एवं अपरेंटिसशिप एडवाइजर विपिन पुरोहित ने 27 जून को आईआईटी इंदौर के 14वें दीक्षांत समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने आईआईटी इंदौर की विभिन्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया तथा दोनों संस्थानों के मध्य कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण, नवाचार एवं विद्यार्थियों के क्षमता संवर्धन हेतु एमओयू की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में इस बात पर सहमति व्यक्त की गई कि आईटीआई इंदौर एवं आईआईटी इंदौर के संयुक्त प्रयासों से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों, उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण, नवाचार एवं अनुसंधान-आधारित अधिगम के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

तीन दिवसीय निःशुल्क शिविर 3 से 5 जुलाई तक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से प्रभावित बच्चों एवं युवाओं के समग्र स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से सोसाइटी फॉर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, इंदौर द्वारा इंडियन एसोसिएशन फॉर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, सोलन के सहयोग से 'एम.डी. विवरियर्स' तीन दिवसीय निःशुल्क शिविर 3 से 5 जुलाई तक महेश्वरम, रिंग रोड, रेडिसन ब्लू के पीछे आयोजित होगा।

सुबह सड़कों पर औचक निरीक्षण, शाम को ठेकेदारों और अफसरों की क्लास

निगमायुक्त ने दिया 'अल्टीमेटम': बारिश के मौसम में नहीं चलेगी किसी की भी लापरवाही

तीन माह में गुटकेश्वर रोड, 1 माह में कलालकुई नाला पूरा करने के सख्त निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ▫ मानसून के बीच शहर की बदहाल सड़कों, अधूरे निर्माण कार्यों और जलभराव की आशंका को लेकर नगर निगम अब एक्शन मोड में दिखाई दे रहा है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सुबह शहर की प्रमुख मास्टर प्लान सड़कों और निर्माणाधीन परियोजनाओं का औचक निरीक्षण किया, तो शाम होते-होते निगम मुख्यालय में अधिकारियों, निर्माण एजेंसियों, ठेकेदारों और कंसल्टेंट्स की लंबी समीक्षा बैठक लेकर साफ संदेश दे दिया कि अब किसी भी परियोजना में देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गति तेज करने पर जोर-उन्होंने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने, सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने और बारिश के दौरान जलभराव रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दरअसल, शहर में कई मास्टर प्लान सड़कें लंबे समय से निर्माणाधीन हैं। बारिश शुरू होने के बाद इन परियोजनाओं के कारण आम नागरिकों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर खुदाई, कीचड़ और अधूरे निर्माण कार्य दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ा रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में आयुक्त ने स्वयं मौके पर पहुंचकर परियोजनाओं की वास्तविक स्थिति देखी। सुबह किए गए निरीक्षण में मधुमिलन चौराहा से छावनी चौराहा, कलालकुई, चंद्रभागा पुल, मच्छी बाजार से चंद्रभागा पुल, जिंसी चौराहा से लक्ष्मी प्रतिमा, जिंसी से नेमिनाथ चौराहा, हरसिद्धि रोड, हरसिद्धि जोनल कार्यालय मार्ग, सांवेर रोड, जंजीरवाला चौराहा से अटल द्वार मार्ग, एमआर-9 मालवीय नगर लिंक रोड तथा भमोरी रोड सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि हर निर्माण स्थल पर मजबूत बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था और अन्य सुरक्षा इंतजाम अनिवार्य रूप से किए जाएं, ताकि आम लोगों की जान जोखिम में न पड़े। चंद्रभागा पुल और लक्ष्मी प्रतिमा क्षेत्र का निरीक्षण करते समय आयुक्त ने पाया कि बारिश के दौरान जल निकासी सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है।

इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नालों की सफाई अभियान तेज करने और पानी की निर्बाध निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश में कहीं भी जलभराव की शिकायत नहीं आनी चाहिए और इसके लिए पहले से पूरी तैयारी की जाए।

मुख्य निर्देश एक नजर में

■ सदर बाजार-गुटकेश्वर मार्ग – 3 माह में पूर्ण करें। ■ कलालकुई नाला – 1 माह में कार्य पूरा करें। ■ अन्नपूर्णा-विश्वकर्मा नगर सड़क 15 दिन में शेष कार्य समाप्त करें। ■ जमजम चौराहा-स्टार चौराहा मार्ग निर्माण कार्य में तेजी लाएं। सभी निर्माण स्थलों पर बैरिकेडिंग, सुरक्षा और जल निकासी की व्यवस्था अनिवार्य। बारिश के दौरान जलभराव और दुर्घटनाओं की स्थिति नहीं बनने देने के सख्त निर्देश।

शाम को और भी ज्यादा सख्त नजर आए आयुक्त

शाम को आयोजित समीक्षा बैठक में आयुक्त का रुख और भी सख्त नजर आया। उन्होंने प्रत्येक परियोजना की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए समय-सीमा तय कर दी। सदर बाजार रोड से गुटकेश्वर मंदिर तक सड़क निर्माण तीन माह में पूरा करने, कलालकुई नाला परियोजना एक माह में समाप्त करने, अन्नपूर्णा-विश्वकर्मा नगर सड़क का शेष कार्य 15 दिनों में पूरा करने तथा जमजम चौराहा से स्टार चौराहा तक सड़क निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि मानसून के दौरान निर्माण कार्यों के कारण नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जहां-जहां निर्माण चल रहा है, वहां सुरक्षा और जल निकासी की समुचित व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही की जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी और अधिकारियों की होगी। बैठक में अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री पी.एस. कुशवाह, नरेश जायसवाल, पराग अग्रवाल सहित निगम के वरिष्ठ अधिकारी, निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि, ठेकेदार और कंसल्टेंट्स मौजूद रहे।

खजराना तालाब की नहीं हुई सफाई, अब बारिश का पानी ओवरफ्लो, सड़क जलमग्न

खजराना तालाब जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ▫ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के निपानिया तालाब से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की थी, जिसके तहत इंदौर सहित प्रदेशभर में जल संरचनाओं की सफाई, सुरक्षा, संवर्धन और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य होने हैं। इसके तहत इंदौर के बिलावली, लिम्बोदी, अन्नपूर्णा सहित 10 छोटे-बड़े तालाब शामिल किए गए थे। शहर के बीच खजराना तालाब को शामिल नहीं किया गया, जिसके चलते तालाब की सुध नगर निगम अधिकारियों ने नहीं ली, जबकि रिंग रोड पर खजराना चौराहे के समीप यह तालाब प्रतिवर्ष बारिश के दौरान शहरवासियों के लिए परेशानी का कारण बनता है।

सालों से जमी है गाद और गंदगी-अभियान में शामिल नहीं होने के कारण निगम और जनप्रतिनिधियों ने खजराना तालाब की सुध लेना उचित नहीं समझा। परिणामस्वरूप तालाब की न सफाई की गई, न ही गहरीकरण किया। यहां सालों से गाद जमी हुई है, तालाब में कचरा और मलबा है। सीवरेज के आउटफॉल भी बंद नहीं किए। इसके चलते तालाब बीते दिनों हुई बारिश में ही ओवरफ्लो हो गया। यहां से निकला पानी चौराहे पर भारी मात्रा में जमा हो गया।

बारिश से पहले होनी थी सफाई-खजराना क्षेत्र के पार्षद पुष्पेन्द्र पाटीदार ने बताया कि तालाब की सफाई और सौंदर्यीकरण का काम किया गया था, लेकिन गहरीकरण और गाद नहीं निकाली गई, जिसके कारण तालाब का पानी जल्दी ओवरफ्लो होता है, लेकिन कोई काम समय रहते समस्या के समाधान के लिए नहीं किया गया। अब परिणाम शहर के सामने है, तालाब थोड़ी सी बारिश में ही ओवरफ्लो हो रहा है, क्योंकि गाद और कचरा नहीं निकला। बीते दिनों हुई मानसूनी बारिश के दौरान चौराहे की सर्विस रोड के साथ ही ब्रिज के नीचे 3 फीट तक पानी जमा हो गया।

आबादी बढ़ी तो पानी हुआ दूषित-खजराना गांव के निवासी राधेश्याम पाटीदार ने बताया कि यह तालाब होलकरकालीन है। हमारे पूर्वज इस तालाब के पानी का पेयजल के रूप में उपयोग करते थे, लेकिन जैसे-जैसे गांव की आबादी बढ़ी पानी गंदा होता चला गया। वर्तमान में तालाब एक ड्रेनेज चैंबर बनकर रह गया है, लेकिन खजराना तालाब की हमेशा उपेक्षा होती रही है।

डॉ. मुखर्जी ने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया- मिश्रा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ▫ जनसंघ के संस्थापक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्मरण कार्यक्रम के अंतर्गत आज भाजपा द्वारा नगर के सभी बूथों पर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी नेहरू की गलत नीतियों के चलते केंद्रीय मंत्रीमंडल से इस्तीफा दे दिया और जनसंघ की स्थापना की। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर जो भारत का अभिन्न अंग था, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जाता था वहां जाने के लिए कोटा परमिट व्यवस्था लागू कर दी, धारा 370 का विरोध करते हुए मुखर्जी ने दिल्ली से लेकर कश्मीर तक बिना परमिट के यात्रा निकाली, उन्होंने कहा कि एक देश में दो विधान दो प्रधान दो निशान नहीं चलेंगे, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके संकल्प को साकार करते हुए कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करके एक भारत-श्रेष्ठ भारत के नारे को चरितार्थ किया है।

सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिए उपचार के साथ-साथ जनजागरूकता भी जरूरी : पटेल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ▫ राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रविवार को खरगोन के झिरन्या में सिकलसेल शिविर के दौरान ब्लड बैंक का शुभारंभ करते हुए स्वास्थ्य विभाग को दो नवीन एंबुलेंस और एक शव वाहन प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने जनजाति समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकलसेल बीमारी के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए मरीजों के उपचार के साथ-साथ जनजागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल श्री पटेल ने रंजना एवं संजना को सिकलसेल प्रमाण पत्र प्रदान किये। वहीं क्षय रोगी थावली बाई व बिल्लोर को फूड बास्केट भेंट की। कार्यक्रम में विधायक छाया मोरे, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, विधायक राजकुमार मेव, नंदा ब्राह्मणे, कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की वार्षिक परीक्षा का हुआ निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की वार्षिक परीक्षाएँ जिले में विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में परिषद के कार्यपालक निदेशक ने अपने इंदौर प्रवास के दौरान होल्कर साइंस कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालक निदेशक ने केंद्राध्यक्ष से परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए।

परीक्षा समाप्त होने के बाद कार्यपालक निदेशक ने मेंटर्स एवं विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी तैयारियों और अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ देते हुए पूरे आत्मविश्वास और ईमानदारी के साथ परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेस के अल्टीमेटम के बाद जागा निगम, नसिया रोड के गड्ढों पर उसी दिन शुरू हुआ पेंच वर्क

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ▫ कांग्रेस नेताओं विवेक खंडेलवाल और गिरीश जोशी की 24 घंटे की चेतावनी का असर तत्काल देखने को मिला। शुक्रवार को दोनों नेताओं ने नसिया रोड की जर्जर सड़क का निरीक्षण कर नगर निगम को 24 घंटे के भीतर गड्ढे भरने की चेतावनी दी थी। साथ ही ऐलान किया था कि यदि तय समय में सड़क की मरम्मत नहीं हुई तो कांग्रेस नगर निगम अधिकारियों की सांकेतिक कब्र बनाकर विरोध प्रदर्शन करेगी। नेताओं की चेतावनी के कुछ ही घंटों बाद नगर निगम हरकत में आया और उसी दिन सड़क पर पेंच वर्क शुरू कर दिया। नसिया रोड पर लंबे समय से 10 से 15 फुट तक फैले बड़े-बड़े गड्ढे लोगों के लिए परेशानी और हादसों का कारण बने हुए थे। सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय नागरिक लगातार शिकायतें कर रहे थे, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही थी। कांग्रेस नेताओं ने मौके पर पहुंचकर सड़क की हालत पर नाराजगी जताई और कहा कि निगम की लापरवाही से आम जनता की जान जोखिम में पड़ रही है।

तीन इमली चौराहे पर आरटीओ ने की कार्रवाई, पांच बसें जब्त

यात्री बसों के खिलाफ विशेष जांच अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ परिवहन आयुक्त उमेश जोगा और कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) इंदौर और संभागीय परिवहन उड़नदस्ता ने रविवार सुबह यात्री बसों और अन्य वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान पांच यात्री बसों को जब्त किया गया। आरटीओ टीम ने तीन इमली चौराहे पर यात्री वाहनों की सघन जांच की। इस दौरान बसों के परमिट, फिटनेस, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही यह भी देखा गया कि वाहन फिटनेस और परमिट की शर्तों का पालन कर रहे हैं या नहीं। जांच के दौरान फायर सेफ्टी उपकरणों और स्पीड गवर्नर की कार्यप्रणाली की भी पड़ताल की गई। इस दौरान अधिकारियों ने यात्रियों से बातचीत कर फीडबैक लिया और जानकारी जुटाई कि चालक तेज गति से वाहन तो नहीं चला रहे हैं तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग तो नहीं कर रहे हैं। यह कार्रवाई आरटीओ प्रदीप शर्मा और परिवहन उड़नदस्ता प्रभारी आकाश सिटोले के नेतृत्व में की गई। अधिकारियों ने बताया कि यात्री बसों के साथ-साथ स्कूल और शैक्षणिक संस्थानों के वाहनों में सुरक्षा मानकों के पालन को के लिए जिले में आकस्मिक जांच अभियान लगातार जारी रहेगा।

वी कनेक्ट एप से जुड़कर बिजली चोरी पकड़वाओ, ईनाम पाओ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने चोरी, अनियमितता रोकने के लिए वी कनेक्ट नामक एप तैयार कर उसे प्रारंभ किया है। इस पर कोई भी व्यक्ति, उपभोक्ता जागरूक नागरिक बिजली चोरी, अनियमता इत्यादि सूचनाएं अपलोड कर सकता है। सूचना सही पाए जाने एवं विधिवत कार्रवाई होने पर सूचना दाता को डीबीटी माध्यम से पारितोषिक राशि प्रदान की जाएगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि योजना का उद्देश्य लाइन लॉस में और कमी लाना, प्रत्येक उपभोक्ता द्वारा श्रेणी, भार के अनुसार विद्युत उपयोग, चोरी रोकना, अन्य अनियमितताएं कम करना हैं, ताकि विद्युत सेवा को और प्रभावी बनाई जा सके। श्री सिंह ने बताया कि कंपनी के वाणिज्य संकाय, सूचना प्रौद्योगिकी संकाय, सतर्कता संकाय ने संयुक्त रूप से प्रयास कर वी कनेक्ट एप तैयार किया है। इस एप को डाउनलोड कर कोई भी व्यक्ति सूचना प्रदान कर सकता है। इस पर सतर्कता संकाय के निर्देश में कार्रवाई की जाएगी, इसके बाद सूचनादाता को दस हजार या अधिक के प्रकरण बनने या सिविल दायित्व की राशि का पंचमांश इत्यादि तैयार होने पर नियत राशि डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। भारवृद्धि श्रेणी में गैर घरेलू कनेक्शन होने पर 100 रूपए प्रति किलो वाट, कृषि श्रेणी होने पर 100 रूपए प्रति एचपी पारितोषिक देय होगा। स्वीकृत श्रेणी से अन्य श्रेणी में बिजली पयोग पर 500 रूपए प्रति सूचना, मीटर से छेड़छाड़, बायपास इत्यादि करने की सूचना पर 500 रूपए, प्राधिकृत परिसर की बजाए अन्य परिसर में बिजली उपयोग पर 500 रूपए प्रति सूचना, विद्युत चोरी, हुकिंग, अवैध कनेक्शन की सूचना पर 500 रूपए देय होंगे। इसी तरह डिस्कनेक्शन के बाद बिजली चालू कर उपयोग पाए जाने पर 500 रूपए प्रति सूचना, गलत मीटर रीडिंग की सूचना देने पर 100 रूपए का पारितोषक दिया जाएगा।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ जिले में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ रविवार को कलेक्टर शिवम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में शासकीय पॉलीक्लिनिक हुकुमचंद परिसर में किया गया। अभियान की शुरुआत छोटे बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं और इस जनजागरूकता अभियान में भागीदार बनें। कलेक्टर ने कहा कि इंदौर आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य को लेकर सजग है और पोलियो उन्मूलन के लिए यह अभियान बेहद महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान जागरूकता के लिए निकाली गई ऑटो रैली को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने हुकुमचंद पॉलीक्लिनिक, रेबीज टीकाकरण केंद्र, नियमित टीकाकरण केंद्र, आदर्श टीकाकरण केंद्र और डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण भी किया। मुख्य चिकित्सा डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष तक के लगभग 5 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

जर्नलिज्म मशहूर होने का नहीं जिम्मेदारी का काम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ▫ वरिष्ठ टेलीविजन पत्रकार सिक्ता देव ने कहा कि जर्नलिज्म अब बहुआयामी और चुनौतीपूर्ण हो गया है। जर्नलिज्म में टीवी और न्यूज पेपर के लिए रिपोर्टिंग के साथ-साथ अब सोशल मीडिया, डिजिटल और रील के लिए भी काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जर्नलिज्म में सहायक हो सकता है लेकिन कभी भी विकल्प नहीं बन सकता।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 29 जून 2026

बिजली कटौती के हो सकेगा मेंटेनेंस ट्रांसको ने अपनाई बेयर हैंड

भोपाल (एजेंसी) ● प्रदेश में अब ट्रांसमिशन लाइनों और सब-स्टेशनों के रखरखाव के लिए बिजली बंद करने की जरूरत लगातार कम होती जाएगी। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों के रखरखाव में 'बेयर हैंड' और 'हॉट लाइन मेंटेनेंस' तकनीक को अपनाया है। इन तकनीकों की मदद से बिजली आपूर्ति बाधित किए बिना ही ट्रांसमिशन लाइनों पर मरम्मत और रखरखाव का काम किया जा रहा है। इससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक बिजली कटौती से राहत मिलेगी और ग्रिड की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

कंपनी ट्रांसमिशन नेटवर्क के रखरखाव में आधुनिक तकनीकों का तेजी से विस्तार कर रही है। कंपनी का उद्देश्य फॉल्ट की समय रहते पहचान कर उसे तुरंत दूर करना है, ताकि बिजली आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। यही कारण है कि वर्ष 2024-25 में कंपनी ने 99.47 प्रतिशत ट्रांसमिशन सिस्टम उपलब्धता हासिल की, जो मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (एमपीईआरसी) द्वारा निर्धारित 98 प्रतिशत के मानक से अधिक है। इन तकनीकों की मदद से ट्रांसमिशन लाइन में खराबी, कमजोर इंसुलेटर, कंडक्टर में दोष या अन्य तकनीकी समस्याओं की समय रहते पहचान हो जाती है। इससे बड़ी खराबी आने से पहले ही सुधारात्मक कार्रवाई की जा सकती है। हटाए गए इंसुलेटरों की गुणवत्ता की जांच कर उन्हें दोबारा उपयोग में भी लाया जा रहा है, जिससे मरम्मत एवं रखरखाव पर होने वाला खर्च कम हो रहा है। अब तक ट्रांसमिशन लाइनों के रखरखाव के लिए संबंधित लाइन को कुछ समय के लिए बंद (शटडाउन) करना पड़ता था। इससे कई क्षेत्रों में बिजली

आपूर्ति प्रभावित होती थी। लेकिन 'बेयर हैंड' और 'हॉट लाइन मेंटेनेंस' तकनीकों में प्रशिक्षित कर्मचारी विशेष सुरक्षा उपकरणों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए चालू लाइन पर ही आवश्यक मरम्मत और रखरखाव का कार्य कर सकते हैं। इससे बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होती और उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवा मिलती है।

एक साल में बदले गए सैकड़ों उपकरण

ट्रांसमिशन नेटवर्क को अधिक विश्वसनीय बनाने 2024-25 में रिप्लेसमेंट एंड रेनोवेशन कार्यक्रम में पुराने उपकरणों को भी बदला गया। इस दौरान 56 सर्किट ब्रेकर, 390 करंट ट्रांसफॉर्मर, 97 पोटेंशियल ट्रांसफॉर्मर, 200 लाइटनिंग अरेस्टर, 79 बैटरी सेट, 50 बैटरी चार्जर, 45 कंट्रोल एवं रिले पैनल तथा 37 आइसोलेटर बदले गए।इन उपकरणों के प्रतिस्थापन से ट्रांसमिशन सिस्टम की विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता में सुधार हुआ है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

चड्डी-बेल्ट की चर्चा जोरों पर, साहब के बदले तेवर और माननीया का नाम किसने उछाला?

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्य प्रदेश की सियासत में चड्डी-बेल्ट की चर्चा जोरों पर है। मंत्री के बयान से लेकर मुख्य सचिव के बदले तेवर और रीति पाठक के मंत्री पद की अफवाहों का पूरा सच, वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के कॉलम बोल हरि बोल में पढ़िए ये सब कुछ... सियासत और सिस्टम में जो दिखता है, वह पूरी कहानी नहीं होती। असली हलचल सत्ता के गलियारों, बंद कमरों और राजनीतिक कानाफूसियों में छिपी होती है। पेश है, इस हफ्ते की चर्चित राजनीतिक गपशप। दूसरी खबरों को छोड़िए और आप तो सीधे नीचे उतर आईए और बोल हरि बोल के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

जिसका नाम चला... उसका पत्ता कट

बीजेपी में नया फॉर्मूला चलता है कि जिस नेता का नाम किसी बड़े पद के लिए सबसे ज्यादा उछलने लगे, समझ लीजिए उसकी राह सबसे मुश्किल हो गई। मंत्री बनने की चर्चा जितनी तेज, संभावना उतनी कमजोर। अब ताजा किस्सा विंध्य की विधायक रीति पाठक का है। समर्थकों का उत्साह ऐसा कि सोशल मीडिया पर उन्हें मंत्री बनते हुए लगभग घोषित ही कर दिया गया। बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया, पोस्टर बनने लगे और राजनीतिक गणित भी बैठाया जाने लगा। जैसे-जैसे अफवाहों का गुब्बारा बड़ा होता गया, आखिरकार विधायक महोदया को खुद मैदान में उतरना पड़ा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मंत्री पद को लेकर जो खबरें चल रही हैं, वे पूरी तरह भ्रामक हैं। अफवाह फैलाने वालों से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए, लेकिन उसका इस्तेमाल अफवाह फैलाने के लिए नहीं होना चाहिए। साथ ही यह संदेश भी दे दिया कि वे पार्टी की समर्पित कार्यकर्ता हैं और संगठन जो जिम्मेदारी देगा, वही उनका कर्तव्य होगा। अब राजनीतिक गलियारों में इस पोस्ट के भी अपने-अपने मायने निकाले जा रहे हैं। कोई इसे अफवाहों पर विराम मान रहा है, तो कोई कह रहा है कि मैडम का नाम पहले ही मंत्री पद की सूची से कट जाए, इसलिए विरोधियों ने साजिश रची है।

वीडियोबाजी का दौर... कोई खेत में, कोई ऑटो में!

राजनीति में चर्चा में बने रहने के अपने-अपने तरीके हैं। कोई भाषण देता है, कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस करता है और आजकल तो वीडियोबाजी भी खूब चलन में है। कैमरा ऑन हुआ नहीं कि नेता जी भी एक्शन मोड में आ जाते हैं। अब देखिए, देशभर के लाखों भांजे-भांजियों के मामा शिवराज सिंह चौहान उत्तर प्रदेश के खेतों में पहुंच गए। मौका था धान की रोपाई का। मामा ने खुद खेत में उतरकर भांजियों के साथ धान लगाया और किसानों को हरित खाद के फायदे भी समझाए। उधर, भोपाल में मंत्री विश्वास सारंग ने भी जनता के बीच अपना अलग अंदाज दिखाया। वे अपने विधानसभा क्षेत्र में मीसाबंदी रहे बुजुर्ग का हालचाल पूछने पहुंचे थे। मुलाकात खत्म हुई तो कुछ देर के लिए ऑटो की ड्राइविंग सीट संभाल ली। मंत्री जी ने ऑटो चलाया, वीडियो बन गया और फिर वही वीडियो उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर भी पहुंच गया। अब राजनीतिक गलियारों में इस पर खूब चर्चा है। कोई कह रहा है कि जनता तक पहुंचने का सबसे आसान रास्ता अब सोशल मीडिया की रीलों से होकर जाता है। कुछ लोग मुस्कुराते हुए पूछ रहे हैं कि अगली बारी किसकी है? कौन ट्रैक्टर चलाएगा, कौन बस और कौन नाव? क्योंकि आज की राजनीति में काम के साथ कैमरे की मौजूदगी भी उतनी ही जरूरी मानी जाने लगी है।

चड्डी-बेल्ट पर अफसरों में गपशप!

मध्यप्रदेश में कुछ मजाकिया अंदाज वाले अफसर एक दूसरे से पूछ रहे हैं कि क्यों भाई, कभी बेल्ट बांधी है... चड्डी पहनी है यह सवाल किसी फिटनेस कैंप का नहीं, बल्कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के एक बयान का असर है। दरअसल, भोपाल में मंत्री जी ने मुस्कुराते हुए ऐसा किस्सा सुनाया कि राजनीतिक गलियारों से लेकर अफसरशाही तक चर्चा शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद जो भी अधिकारी मिलने आता है, वह किसी न किसी तरह खुद को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा हुआ बताने की कोशिश करता है। कोई कहता है कि उसने भी शाखा में बेल्ट बांधी है, तो कोई दावा करता है कि उसने भी चड्डी पहनकर शाखा लगाई है। बस फिर क्या था। अफसरों के बीच यह बयान हल्के-फुल्के मजाक का विषय बन गया है। वे एक-दूसरे से मुस्कुराते हुए पूछ रहे हैं कि बताइए, आपने भी कभी बेल्ट बांधी थी या नहीं? जवाब भी उतने ही दिलचस्प मिल रहे हैं। उधर, राजनीति के जानकार इस बयान के अपने-अपने अर्थ निकाल रहे हैं रहे हैं। कोई इसे संगठन और सत्ता के रिश्ते पर टिप्पणी मान रहा है, तो कोई इसे मंत्री जी का आत्ममंथन वाला संदेश बता रहा है।

कांग्रेस में फिर अलग-अलग सुर

मध्यप्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर बयानों का टकराव चर्चा का विषय बन गया है। सरकार को घेरने की कोशिश इस बार अपनी ही पार्टी के नेताओं के अलग-अलग रुख की वजह से कमजोर पड़ती नजर आई है। मामला उज्जैन की उस सरकारी जमीन का है, जिसे एक रुपए की लीज पर वीर भारत न्यास को दिए जाने को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बड़ा सवाल उठाया था। उन्होंने इसे गोलमाल बताते हुए सरकार पर निशाना साधा। कुछ ही समय बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूरे मामले की तस्वीर बदल दी। उज्जैन पहुंचकर दिग्विजय सिंह ने ट्रस्ट डीड और सरकारी दस्तावेज दिखाए। उन्होंने कहा कि वीर भारत न्यास कोई निजी संस्था नहीं, बल्कि सरकारी और सार्वजनिक ट्रस्ट है, जिसके पदेन अध्यक्ष स्वयं मुख्यमंत्री होते हैं। इसलिए इसे भ्रष्टाचार का मामला बताना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि उनके मुख्यमंत्री रहते हुए और कमलनाथ सरकार के समय भी यही व्यवस्था लागू थी। इतना ही नहीं, दिग्विजय सिंह ने दो टूक शब्दों में यह भी कह दिया कि कुछ लोग झूठे आरोप लगाकर ब्लैकमेलिंग का खेल खेलते हैं। बस फिर क्या था, राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई कि विपक्ष सरकार को घेरने निकला था, लेकिन अपने ही बयान से घिर गया।

साहब के बदले तेवर या विदाई की आहट?

वल्लभ भवन के गलियारों में इन दिनों सूबे के प्रशासनिक मुखिया के बदले हुए अंदाज की खूब चर्चा है। दरअसल, इसकी वजह हाल ही में हुई कलेक्टर कॉन्फ्रेंस है। इस वीसी में मुख्य सचिव अनुराग जैन का व्यवहार पहले के मुकाबले सहज और सौहार्दपूर्ण था। बैठक में उन्होंने अच्छा काम करने वाले कलेक्टरों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था अब पटरी पर है। सरकार की मंशा के अनुरूप काम हो रहा है और सिस्टम बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बैठक का माहौल पहले की तुलना में सकारात्मक रहा, लेकिन हर बदलाव के अपने मायने निकाले जाते हैं। ऐसे में कुछ अफसर इस बदले हुए अंदाज को अलग नजरिए से देख रहे हैं। कानाफूसी है कि साहब का एक्सटेंशन अगस्त में खत्म होने वाला है, इसलिए अब तेवर भी कुछ नरम हो गए हैं। जो मुख्य सचिव कभी सख्त प्रशासनिक शैली के लिए जाने जाते थे, वे अब सहज हैं। हालांकि यह सिर्फ अफसरशाही की चर्चा है, हकीकत क्या है, इसका जवाब आने वाला वक्त ही देगा।

नाबालिग बच्चियों को बना रहा था निशाना, मोबाइल से आपत्तिजनक चैट और सामग्री मिलने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के तिलक नगर थाना क्षेत्र के वंदना नगर क्षेत्र में रहने वाले 25 वर्षीय एक युवक पर इंस्टाग्राम के जरिए नाबालिग बच्चियों से अश्लील बातचीत करने और उन्हें आपत्तिजनक फोटो-वीडियो भेजकर बहलाने-फुसलाने के आरोप लगे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है। विहिप के प्रचार प्रसार प्रमुख देव शर्मा ने बताए कि युवक मूल रूप से झाबुआ का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया के माध्यम से कई नाबालिग बच्चियों से संपर्क कर रहा था। अश्लील चैटिंग कर उन्हें मिलने के लिए बुलाता था। कार्यकर्ताओं का दावा है कि रविवार को भी वह एक नाबालिग को फ्लैट में बुलाकर गलत हरकत करने की तैयारी में था। इसकी सूचना मिलने पर संगठन के कार्यकर्ताओं ने युवक को बातचीत में उलझाकर उसके कमरे पर बुलाया, जहां उससे पूछताछ की गई। कार्यकर्ताओं के अनुसार युवक के मोबाइल की जांच में कई नाबालिग बच्चियों के साथ कथित अश्लील चैट, आपत्तिजनक फोटो और अन्य सामग्री मिली। संगठन का यह भी दावा है कि कमरे में मौजूद दो-तीन अन्य युवक मौके से भाग निकले, जिनकी भूमिका की भी जांच होना चाहिए।

श्रीमद् दत्त देवालय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के द्वितीय दिवस वैदिक अनुष्ठानों एवं अभंग संध्या में उमड़ा जनसैलाब, हजारों श्रद्धालु हुए पुण्य लाभ के सहभागी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री केशवानंद सरस्वती आश्रम ट्रस्ट एवं श्री दत्त माऊली भाविक मंडल, इंदौर के तत्वावधान में वैशाली नगर स्थित श्री दत्त देवालय (अवधूत मंदिरम्) में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् दत्त देवालय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के द्वितीय दिवस रविवार, 28 जून 2026 को वैदिक परंपरा, आध्यात्मिक गरिमा एवं भक्तिभाव का अनुपम संगम देखने को मिला। प्रातःकाल से लेकर रात्रि तक चले धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में इंदौर सहित विभिन्न स्थानों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर श्रीदत्त प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया।

प्रातःकाल वेदमंत्रों की मंगलध्वनि एवं विद्वान वेदाचार्यों के सान्निध्य में पुण्याहवाचन, नांदीश्राद्ध, ऋत्विजवरण, मधुपर्क, मंडप प्रतिष्ठा, कौतुक बंधन, जलाधिवास सहित विभिन्न शास्त्रोक्त वैदिक अनुष्ठान अत्यंत श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ संपन्न हुए। संपूर्ण देवालय परिसर मंत्रोच्चार, यज्ञीय वातावरण एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से अनुप्राणित रहा, जिससे उपस्थित श्रद्धालुओं ने दिव्य अनुभूति का अनुभव किया। संध्याकाल में आयोजित भक्ति संगीत एवं अभंग संध्या महोत्सव का विशेष आकर्षण रही। श्री भक्ति संगीत संस्था के कलाकारों ने हिंदी एवं मराठी भजनों तथा अभंगों की मनोहारी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। सुप्रसिद्ध गायक भाऊराव गोंजोल एवं मनोहर शाहाणे के सुमधुर गायन ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। हारमोनियम पर प्रमोद बोरगांवकर, तबले पर सुनील कोटेचेले, क्लैरियोनेट पर मिलिंद शुक्ल तथा रिदम पर अजित मुंढे ने अपनी उत्कृष्ट संगत से संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीदत्त के दर्शन, पूजन एवं चल रहे वैदिक अनुष्ठानों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संपूर्ण परिसर में अनुशासित एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के बीच भक्तों ने आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया। आयोजन समिति ने महोत्सव की सफलता पर सभी श्रद्धालुओं, वेदाचार्यों, संत-महात्माओं, कलाकारों, सेवाभावी कार्यकर्ताओं, सहयोगियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यक्रमों में भी अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीदत्त प्रभु की कृपा प्राप्त करने का आग्रह किया।

भारत विकास परिषद् द्वारा भव्य 'द्वितीय संपर्क सभा व पूल पार्टी' का सफल आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत विकास परिषद्, अहिल्या नगरी शाखा द्वारा परिषद परिवार के बीच आपसी भाईचारे व स्नेह को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक भव्य 'द्वितीय संपर्क सभा व पूल पार्टी' का आयोजन किया गया। जंमबुडी हपसी स्थित सुरम्य 'पार्श्वराज फार्म हाउस' में आयोजित इस कार्यक्रम में परिषद के दंपति सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर शाम को बेहद यादगार बना दिया। यह पूरा आयोजन शाखा अध्यक्ष संजय मेहता, कार्यवाहक अध्यक्ष श्रीमती रश्मि अजय शर्मा एवं सचिव गौरव पंखुडी दरक के कुशल नेतृत्व तथा कार्यक्रम प्रभारियों व संयोजकों की ऊर्जावान टीम के मार्गदर्शन में गरिमापूर्वक संपन्न हुआ। उत्साहजनक शुरुआत और स्वागत पेय: दोपहर 3:30 बजे से ही सदस्यों का आगमन शुरू हो गया था। गर्मी के प्रकोप को देखते हुए कार्यक्रम प्रभारी मनीष सोनल बिसानी एवं श्री राकेश प्रीति धनोते की देखरेख में सभी आगंतुक सदस्यों का स्वागत कूल्ड ड्रिंक्स की बजाय मालवा के पारंपरिक ठंडे और स्वादिष्ट कच्ची केरी के झोलिये के साथ किया गया।

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लाल बत्ती जल रही है। यानी हरी बत्ती होने में अब सिर्फ 1 सैकंड बाकी है। राईट से लेफ्ट का रास्ता खुला है। सामने जाकर राईट टर्न लेने का रास्ता बंद है। बाईक वाला खड़ा है। उसके पीछे दूसरी गाड़ियां है। 1 सैकंड में ग्रीन सिग्नल होने वाला है।

सुखलिया दिगंबर जैन समाज की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण संपन्न

इंदौर ●सुखलिया दिगंबर जैन समाज की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी चिराग जैन ने अध्यक्ष अमित जी सहित समस्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू ने बताया कि नवगठित कार्यकारिणी को समाजहित में समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प दिलाया गया।

आज के दौर में परिचय सम्मेलन सभी समाजों की जरूरत बन गए - गुप्ता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● परिचय सम्मेलन जैसे आयोजनों से सामाजिक एकता, आपसी प्रेम एवं रिश्तों में आत्मीयता तो बढती ही है, समय और धन की बचत भी होती है। आज के दौर में न तो पालकों के पास समय है और न ही प्रत्याशियों के पास। इस स्थिति में परिचय सम्मेलन आज सभी समाजों की जरूरत बन गए हैं। ये विचार हैं अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेशचंद्र गुप्ता (तुंगावाला) के, जो उन्होंने शनिवार को खण्डेलवाल संस्कृति वूमन्स क्लब एवं संत श्री सुंदरदास पारमार्थिक ट्रस्ट द्वारा अ.भा. खंडेलवाल वैश्य महासभा जयपुर के तत्वावधान में साउथ तुकोगंज स्थित पंजाब अरोड़वंशीय ट्रस्ट भवन पर आयोजित दो दिवसीय परिचय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष संजीव कट्टा ने भी अपने विचार रखे और कहा कि महासभा गत 113 वर्षों से सामाजिक प्रगति तथा अन्य बुराइयों के उन्मूलन की दिशा में लगातार सक्रिय है। परिचय सम्मेलन स्थल को रुक्मणी देवी चिरंजी लाल गुप्ता नाम दिया गया है जहाँ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उद्योगपति मनीष शाहरा ने आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए सभी प्रत्याशियों के प्रति मंगल भाव व्यक्त किए।

अपने पाप पुण्य की बैलेंस शीत में संतुलन बनाए रखने का काम स्वयं हमारी आत्मा करेगी, कोई और नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● हमारे सारे कर्मो और पाप पुण्यों की बैलेंस शीट हमारा शरीर है। हमें प्रतिदिन आत्म मंथन करना चाहिए कि हमारी बैलेंस शीट कितनी साफ है। कारोबारी हिसाब-किताब की खाताबही में हम अपने सीए अथवा अन्य किसी सलाहकार की मदद से संतुलन बना सकते हैं लेकिन अपने पाप पुण्य की बैलेंस शीट का संतुलन स्वयं हमें ही अपनी आत्मा के माध्यम से करना होगा, बाहरी व्यक्ति इसमें कोई संशोधन, संतुलन और समाधान नहीं बना सकता।

ये दिव्य विचार हैं प.पू. आचार्य रामेश के सुशिष्य शासन दीपक प.पू. आदित्य मुनि महाराज के, जो उन्होंने शनिवार को साकेत नगर, बैकुंठ धाम में साधुमार्गी जैन समता संघ के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। आचार्य भगवन प.पू. रामलाल म.सा. के शिष्य प.पू. आदित्य मुनि म.सा. एवं अटलमुनि म.सा. अदिठाना द्वारा बैकुंठ धाम कॉलोनी में बड़े गार्डन के सामने नियमित रूप से प्रवचनों की अमृत वर्षा की जा रही है। रविवार को भी सुबह 9 से 10 बजे तक मुनिश्री के प्रवचनों की अमृतवर्षा बैकुंठ धाम पर होगी। मीडिया प्रभारी मनीष बोहरा ने बताया कि प.पू. आदित्य मुनि के प्रवचनों की अमृत वर्ष चातुर्मास प्रारंभ होने के पूर्व शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में होगी ताकि सभी लोगों को लाभ मिल सके। मुनिश्री ने कहा कि चंचलता आत्मा की शत्रु है। मन, वचन और शरीर के योगों में चंचलता चलती रही है लेकिन संयोगी जीव कर्मों का बंधन करता है। हमारी आत्मा की बैलेंस शीट साफ होना चाहिए क्योंकि उसमें बहुत सारी देनदारियां बाकि है। पाप पुण्य का अम्बार लगा रहता है। हमें उदय भाव में समभाव रखकर नए अशुभ कार्यों पर निगरानी रखने के लिए सीसीटीवी लगाकर रखना होगा। समझदार व्यक्ति अनुभाव की दिव्यता से बच सकता है। चंचलता हमें मोक्ष से दूर करती है, चंचलता के कारण ही हम प्रकृति, हालातों, अनुभावों और अन्य बंधों में फंसकर अपनी मंजिल से दूर होते जा रहे हैं। अनेक बार हालात ऐसे बनते रहते हैं जहाँ हमें अपने कर्तव्यपथ से डिगने-डिगाने की संभावना बनी रहती है।

सम्पादकीय

पुनरीक्षण पर सवाल, दस्तावेजों की कमी से क्या छिन गया मताधिकार?

विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की कवायद को शुरू हुए एक साल पूरा हो गया है। वर्तमान में उन्नीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया जारी है। खबरों के मुताबिक, इसके जरिए अब तक करीब छह करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। ऐसे में यह सवाल अहम है कि क्या वास्तव में इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने के पात्र नहीं है? या फिर बहुत से लोग आधिकारिक दस्तावेज नहीं जुटा पाने की वजह से अपनी योग्यता साबित नहीं कर पाए? सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन लोगों के नाम सूची से बाहर किए गए हैं, उनका भविष्य क्या होगा। अगर वे मतदान के हकदार नहीं है, तो उनके दूसरे अधिकारों पर इसका क्या असर पड़ेगा? यह सवाल इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पश्चिम बंगाल और बिहार में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों के बाद ऐसी खबरें आई हैं कि दोनों राज्यों में संशोधित मतदाता सूची के आंकड़ों को अब सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इससे यह आशंका भी गहरा रही है कि मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अब सरकारी योजनाओं की लाभार्थी सूची से भी बाहर किया जा सकता है। सबसे पहले बिहार में पिछले वर्ष विधानसभा चुनावों से पूर्व एसआइआर की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब विपक्षी दलों ने इसके समय को लेकर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि मतदाता सूची में संशोधन के लिए निर्वाचन आयोग के पास पहले पर्याप्त समय था, इसके बावजूद चुनावों से ठीक पहले इस प्रक्रिया को शुरू करना उचित नहीं है। इसके बाद नागरिकता के प्रमाण को लेकर भी यह प्रक्रिया विवादों में रही। विवाद का यह सिलसिला केवल बिहार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तर प्रदेश होते हुए यह पश्चिम बंगाल तक पहुंच गया। बिहार में इस प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से लगभग पैंसठ लाख नाम हटाए गए। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, गुजरात, मध्य प्रदेश और गोवा में करीब 10.2 फीसद मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया।

ट्रॉफी वाली टीम हारी, भूख वाली टीम ने इतिहास रच दिया

विश्व क्रिकेट में प्रतिष्ठा, ट्रॉफियां और रैंकिंग केवल रिकॉर्ड सजाती हैं; मैदान पर जीत उसी की होती है जो परिस्थितियों को सबसे बेहतर पढ़ता है। 26 और 28 जून 2026 को बेलफास्ट ने भारतीय क्रिकेट को यही कठोर सच दिखा दिया। टी20 विश्व चैंपियन भारत को आयरलैंड ने लगातार दो मुकाबलों में हराकर 0–2 से ऐतिहासिक श्रृंखला जीत ली और साबित कर दिया कि क्रिकेट में नाम नहीं, तैयारी और अनुकूलन ही सबसे बड़े हथियार हैं। पहले मैच में 34 रन और दूसरे में महज एक रन की जीत ने आयरलैंड को इतिहास के शिखर पर पहुंचा दिया, जबकि भारत के आत्मसंतोष की परतें भी उधेड़ दीं। श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज जिस उम्मीद के साथ हुआ था, वह बेलफास्ट की ठंडी हवाओं में कड़ी हकीकत से टकरा गया। बेलफास्ट में जीत का फैसला खिलाड़ियों के नाम नहीं, परिस्थितियों की समझ ने किया। आयरलैंड ने पिच, मौसम और स्विंग को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। पदार्पण कर रहे मैथ्यू हॉलर्ड ने सधी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को लगातार उलझाए रखा, जबकि लोरकन टकर ने धैर्य और आक्रामकता के संतुलन से जीत की नींव रखी। पांच प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरी आयरिश टीम का अनुशासन और सामूहिक खेल पूरे मैच में दिखा। दूसरी ओर भारत विश्व कप जीत के आत्मविश्वास को सही रणनीति में नहीं बदल सका। विदेशी परिस्थितियों को हल्के में लेने का परिणाम यह हुआ कि स्विंग और विविध गेंदबाजी के सामने भारतीय बल्लेबाजी बार–बार बिखर गई।

दोनों मुकाबलों का स्कोरकार्ड भारतीय टीम की कमजोरियों का आईना बन गया। पहले मैच में 182 रनों का लक्ष्य भारत को 148 पर रोक गया, जबकि दूसरे में 155 रनों का पीछा करते हुए टीम 153 रन पर थम गई। ये सिर्फ दो हार नहीं, बल्कि निर्णायक क्षणों में रणनीतिक चूकों की कीमत थीं। बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल नहीं सके और गेंदबाज दबाव के समय प्रभाव नहीं छोड़ पाए। दूसरी ओर आयरलैंड ने हर मौके को जीत में बदला। यही अंतर विश्व चैंपियन और उस दिन की बेहतर टीम के बीच साफ दिखा। इस श्रृंखला ने फिर साबित कर दिया कि क्रिकेट में किसी भी टीम को हल्के में लेना सबसे बड़ी भूल है।

बेलफास्ट ने भारतीय क्रिकेट की कई छिपी कमजोरियों से पर्दा हटा दिया। विश्व चैंपियन बनने के बावजूद टीम की गहराई, निरंतरता और मानसिक मजबूती सवालों के घेरे में आ गई। अनुभवी खिलाड़ियों की कमी और कुछ खिलाड़ियों की खराब फॉर्म ने संतुलन बिगाड़ दिया। सबसे बड़ी चिंता यह रही कि मुश्किल हालात में टीम समाधान खोजने के बजाय दबाव में बिखरती दिखी। इसके विपरीत सीमित संसाधनों वाली आयरिश टीम ने अनुशासन, सटीक तैयारी और सामूहिक खेल के दम पर असंभव को संभव कर दिखाया। इस जीत ने फिर साबित किया कि आधुनिक क्रिकेट में बड़े संसाधन नहीं, बल्कि सही रणनीति और उसे पूरी प्रतिबद्धता से लागू करने की क्षमता जीत दिलाती है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी का आगाज उम्मीदों के विपरीत दो लगातार हारों के साथ हुआ। यह झटका केवल परिणाम का नहीं, बल्कि रणनीतिक कमियों का भी था। टीम चयन, गेंदबाजों का उपयोग और मध्य ओवरों की योजना कई मौकों पर कमजोर दिखी। अभिषेक शर्मा ने उम्मीद जगाई, लेकिन बाकी बल्लेबाजी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। कप्तानी सिर्फ फैसले लेने का नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुरूप पूरी टीम की सोच ढालने का कौशल भी है। बेलफास्ट में भारत इसी कसौटी पर पिछड़ गया। अब बहानों का नहीं, ईमानदार आत्ममंथन और ठोस सुधार का समय है।

भारतीय क्रिकेट का इतिहास बताता है कि बड़ी हारें अक्सर बड़े बदलाव की नींव बनती हैं। 2007 विश्व कप की निराशा के बाद टीम ने जिस तरह खुद को बदला, वह आज भी मिसाल है। बेलफास्ट की यह हार भी वैसा ही चेतावनी संकेत बन सकती है, यदि इससे सही सबक लिया जाए। आज विश्व क्रिकेट बदल चुका है, जहां छोटी टीमें भी तैयारी, डेटा विश्लेषण और मानसिक दृढ़ता के दम पर दिग्गजों को झुका रही हैं। आयरलैंड ने साबित कर दिया कि भूख, अनुशासन और परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की क्षमता किसी भी बड़े नाम से अधिक ताकतवर होती है। भारत को अब विदेशी परिस्थितियों के लिए अपनी मानसिक और तकनीकी तैयारी को नए स्तर पर ले जाना होगा।

भारतीय प्रशंसकों के लिए यह श्रृंखला गहरी निराशा छोड़ गई। विश्व कप जीत का उत्साह अभी फीका भी नहीं पड़ा था कि बेलफास्ट ने जश्न को आत्ममंथन में बदल दिया। लेकिन खेल की सबसे बड़ी सीख यही है कि हर हार सुधार का अवसर लेकर आती है। भारत को अब गेंदबाजी में विविधता, मध्यक्रम में स्थिरता और फील्डिंग में तेजी लाने पर तुरंत काम करना होगा। अन्यथा ऐसी चौंकाने वाली हारें भविष्य में भी दोहराई जा सकती हैं। वहीं आयरलैंड ने साबित कर दिया कि सीमित संसाधन नहीं, बल्कि बड़े इरादे और पक्की तैयारी इतिहास रचते हैं। बेलफास्ट की यह श्रृंखला भारत के लिए सिर्फ हार नहीं, बल्कि समय पर मिली कड़ी चेतावनी है कि चैंपियन बनना कठिन है, लेकिन चैंपियन बने रहना उससे भी बड़ी चुनौती। यदि इस झटके को अहंकार नहीं, सुधार का अवसर माना गया, तो यही हार भविष्य की नई सफलताओं की नींव बनेगी। लेकिन इसे एक साधारण असफलता मानकर भुला दिया गया, तो ऐसी ठोकरें बार–बार प्रतिष्ठा पर चोट करती रहेंगी। आयरलैंड ने साहस, तैयारी और अटूट विश्वास से इतिहास रच दिया। अब भारत के सामने एक ही रास्ता है—ईमानदार आत्ममंथन, कठोर परिश्रम और परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना। क्योंकि क्रिकेट आखिर उसी को सलाम करता है, जो हर हार के बाद और अधिक मजबूत होकर लौटता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

जेस्ठ पूर्णिमा पर विधि विधान से रखें बट सावित्री व्रत 29 जून को

हिंदू धर्म में अपने पति की लंबी आयु के लिए महिलाओं जो भी व्रत रखें जाते हैं उनमें देश मार्च की पूर्णिमा तिथि पर पढ़ने वाला बेड सावित्री व्रत बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है मान्यताओं के अनुसार बट सावित्री के दिन सुहागिन महिलाएं बट यानी बरगद के पेड़ की पूजा करती है ।ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ में भगवान विष्णु ब्रह्मा जी और शिवजी का वाज है ।इस दिन बरगद के पेड़की पूजा करने से पति और परिवारको सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है और पति की अकाल मृत्यु का . खतरा टल जाता है ।बट सावित्री व्रत के दिन स्त्री वृत बट .की परिक्रमा करती है और चारों ओर सूत बांधती है ।माना जाता है कि ऐसा करने से पति की लंबी उम्र और संतान की प्राप्ति की मनोकामना पूर्ण हो जाती है । अखण्ड सौभाग्य की कामना को पूरा करने के लिए सुहागिन महिलाएं . बट पूर्णिमा दिन .सूर्योदय से पहले उठकर सोलह सिंगार करना चाहिए ।उसके बाद बट पूर्णिमा व्रत को विधि विधान से करने का संकल्प लेना चाहिए। उसके बाद व्रत करने वाली सुहागिन महिला को एक बट से बनी . गलियों में साथ प्रकार के अनाज पुष्प फल रोली सिंदूर कच्चा सूत वस्त्र .धूप दीप और श्रृंगार की सामग्री कोई को इकट्ठा करके रख ले। इसके बाद बट वृत्त के नीचे स्वच्छ स्थान पर सारी सामग्री रखकर सावित्री और सत्यवान के चित्र या मूर्ति को स्थापित करेंऔर रोली चंदन–सिंदूर धूप दीप से पूजा करें ।फिर उनकी मूर्ति या चित्र को .बने पंखे से हवा करें ।इसके बाद वस्त्र एवं फल फूल को .समर्थित करने के बाद पेड़ की 11.21.51या फिर या 108 बार परिक्रमा करते हुए कच्चा सूत लपेटे ।फिर बट पूर्णिमा का पुष्प –फल प्रदान करने वाली सावित्री सत्यवान की कथा कहानी सुगए या सुने। पूजा पूर्ण होने के बाद अपने पति के पैर छुए और उसके बाद पूजा वाले पंखें से ही अपने पति को हवा करें । हिंदू धर्म में अपने पति की लंबी आई के लिए महिलाओंको भी व्रत रखते हैं इनमें से देख मार्च की पूर्णिमा तिथि पर पड़ने वाला बट सावित्री व्रत बहुत ज्यादा महत्व पूर्णमाना गया है । जेस्ठ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 29 जून को व्रत रखा जाता है । 29 जून सुबह 3:06 पर यह व्रत शुरू होगा और 30 जून .2026 को सुबह 5:26 मिनट पर समाप्त होगा। इसलिए उदय विधि के अनुसार बट पूर्णिमा का व्रत 29 जून को रखा जाएगा बट पूर्णिमा के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:06 से लेकर 4:46 तक रहेगा सुबह .6:00 बजे से लेकर सुबह 8:30 तक भी पूजा के लिए उत्तम मुहूर्त है। ब्रह्मा मुहूर्त सुबह 11:57 से लेकर दोपहर 12:52 तक है इस दिन भगवान सत्यनारायण की कथा सुनना है या पढ़ना बहुत ही शुभ माना जाता है ।दिल से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का ध्यान करें ।जब शाम को चांद निकल आए तो उसे अर्धय दे।

आंचलिक

चंबल पुल का दूसरा हिस्सा ध्वस्त, 27 करोड़ की लागत से बनेगा फोरलेन पुल

दैनिक इंदौर संकेत

धार • जिले के महू–नीमच मार्ग पर घाटाबिल्लौद में चंबल नदी पर स्थित लगभग 100 वर्ष पुराने पुल के दूसरे हिस्से को रविवार को नियंत्रित विस्फोट (ब्लास्ट) के माध्यम से ध्वस्त कर दिया गया। यह पुल जर्जर घोषित किया जा चुका था। इसके स्थान पर अब एक नया फोरलेन पुल बनाया जाएगा, जिससे बढ़ते यातायात दबाव के बीच आवागमन सुरक्षित और सुगम हो सके। इससे पूर्व, 6 जून को पुल के पहले हिस्से को पोकलेन मशीन की सहायता से गिराया गया था। उस समय पुल का एक हिस्सा अचानक पोकलेन मशीन पर गिर गया था, जिससे मशीन को क्षति पहुंची थी। हालांकि, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई थी। रविवार को शेष बचे पुल के हिस्से को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए नियंत्रित विस्फोट से ध्वस्त किया गया। ध्वस्तीकरण प्रक्रिया के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और लोगों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई थी। विस्फोट के कुछ ही क्षणों में पुल का बचा हुआ ढांचा जमींदोज हो गया। पुराने पुल के स्थान पर अब आधुनिक सुविधाओं से लैस एक नया फोरलेन पुल निर्मित किया जाएगा। इस परियोजना की स्वीकृत लागत 27 करोड़ 21 लाख 84 हजार रुपए है। निर्माण कार्य का ठेका भोपाल स्थित मेसर्स प्रांजल सेतु लिमिटेड को सौंपा गया है। अनुबंध के तहत, कंपनी को 18 माह की अवधि में निर्माण कार्य पूरा करना होगा।

एक साल से ओवरब्रिज अधूरा, डायवर्ट रास्ते की हालत खराब

दैनिक इंदौर संकेत

धार • इंदौर–अहमदाबाद फोरलेन पर नागदा–गुजरी मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य एक साल से अधूरा है। इसके कारण मुख्य मार्ग बंद है और आवागमन के लिए सुनारखेड़ी फाटे से शुरू किया गया वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। निर्माण शुरू होने के कुछ ही समय बाद सड़क खराब होने लगी थी, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं की गई है। इस मार्ग से प्रतिदिन लगभग 20 से 30 गांवों के हजारों लोग गुजरते हैं। इनमें स्कूली बच्चे, किसान, व्यापारी, मजदूर और नौकरीपेशा लोग शामिल हैं। वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव और बारिश के कारण सड़क की स्थिति और भी बदतर हो गई है। जगह–जगह बड़े गड्ढे, कीचड़ और जलभराव के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग हर दिन दुर्घटना के डर के बीच यात्रा करने को मजबूर हैं।

पुलिस का ऑनलाइन ठगी रोकने अभियान साइबर अपराधों से बचने के उपाय बताए संदिग्ध ऐप्स को लोड न करने की सलाह

दैनिक इंदौर संकेत

धामनोद •धार जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर, खलघाट पुलिस विभाग द्वारा ऑनलाइन ठगी से बचाव के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाना और आम नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाना है। पुलिसकर्मी स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड और पंचायतों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उन्हें अनजान कॉल, फर्जी लिंक, ओटीपी मांगने वाले मैसेज और संदिग्ध ऐप्स से सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे किसी भी व्यक्ति के साथ बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया अकाउंट पर टू–स्टेप वेरिफिकेशन चालू रखने और ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी जा रही है। धामनोद थाना की एसडीओपी मोनिका सिंह ने बताया कि धार पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मध्य प्रदेश में हो रहे साइबर अपराधों से बचने के लिए यह जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम हर जगह स्कूल, कॉलेज, बस स्टैंड और पंचायतों में जाकर लोगों को बता रहे हैं कि वे साइबर फ्रॉड से कैसे बच सकते हैं और क्या सावधानियां बरतनी चाहिए।

महिलाओं को आगे कर वन विभाग की टीम पर हमला, अतिक्रमण रोकने पहुंचे जवान घायल

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • गुड़ी रेंज के आमा खुजरी जंगल में अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग की टीम पर हमला हो गया। आरोप है कि करीब 400 अतिक्रमणकारियों ने गोफन से पत्थर और लाठियों से हमला किया, जिसमें 8 वनकर्मी घायल हो गए। किसी का सिर फूट गया तो किसी का कान कट गया। सभी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। वन भूमि पर फसल बोने की तैयारी की जा रही थी। इसे रोकने के लिए रविवार दोपहर वनकर्मी मौके पर पहुंचे। इसी दौरान बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। कर्मचारियों का आरोप है कि महिलाओं को आगे कर दिया गया, जिससे टीम तुरंत कार्रवाई नहीं कर सकी। इसके बाद पीछे खड़े लोगों ने गोफन से बड़े–बड़े पत्थर बरसाए और लाठियों से हमला किया। हमले में ज्वाला सिंह, रोमांक नायक, शैलेंद्र यादव, राजेंद्र सिंह सक्तावत, राजेंद्र बागड़ी, प्रदीप बघेल, चंद्रपाल तोमर और राहुल लोधी समेत कई वनरक्षक घायल हुए हैं। ये सभी 2025 में भर्ती विशेष फ्लाइंग स्क्वॉड का हिस्सा हैं, जिन्हें जंगलों में अतिक्रमण रोकने के लिए तैनात किया गया था। घायल वनकर्मियों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद उन्हें करीब दो घंटे तक मदद नहीं मिली। उनका कहना है कि पुलिस और एंबुलेंस समय पर नहीं पहुंची। वहीं, वन विभाग ने हमले में शामिल लोगों की पहचान शुरू कर दी है। गुड़ी रेंजर नरेंद्र पटेल ने बताया कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद वन कर्मचारियों ने जंगलों में अभियान के दौरान स्थायी पुलिस सुरक्षा की मांग उठाई है।

अधूरी पुलिया से गांव का संपर्क प्रभावित, कीचड़ में फंस रहे वाहन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • टांडा बरूड़–बिस्टान रोड स्थित कोठा बुजुर्ग पुलिया का निर्माण कार्य अधूरा होने से क्षेत्र के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुरानी पुलिया को तोड़ दिया गया है, लेकिन नई पुलिया का निर्माण धीमी गति से चल रहा है। बारिश के बीच बनाया गया कच्चा डायवर्सन कीचड़ में तब्दील हो गया है, जिससे चारपहिया वाहन बार–बार फंस रहे हैं। कई बार लोगों को कीचड़ में उतरकर वाहनों को धक्का लगाकर निकालना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से निर्माण कार्य पूरी तरह बंद पड़ा है। स्थानीय निवासी मनोज कुमरावत ने बताया कि प्रशासन ने मानसून शुरू होने से पहले पुरानी पुलिया तो तोड़ दी, लेकिन वैकल्पिक मार्ग को मजबूत नहीं बनाया। बारिश के बाद यही रास्ता सबसे बड़ी परेशानी बन गया है। विभाग को कई बार सूचना देने के बावजूद केवल आज–कल काम शुरू होगा कहकर टाल दिया जाता है। पुलिया निर्माण में देरी का असर 10 से अधिक गांवों के सैकडों ग्रामीणों पर पड़ा है। मार्ग बाधित होने से इस सड़क पर संचालित करीब 10 यात्री बसों का संचालन बंद हो गया है। वहीं उमरखली क्षेत्र से खाद लेकर खेतों तक जाने वाले ट्रैक्टर और अन्य मालवाहक वाहन भी आवागमन में परेशानी झेल रहे हैं।

कपास मंडी शुल्क घटने से जिनिंग उद्योगों को मिलेगा बल, सीएम का आभार जताया

दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी •मध्य प्रदेश सरकार ने कपास पर मंडी शुल्क को एक प्रतिशत से घटाकर 0.50 प्रतिशत कर दिए जाने पर कपास उद्योग समूहों में उत्साह है। इस निर्णय से राज्य के कपास उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी और वे तेजी से विकास कर सकेंगे। मंडी शुल्क में इस कमी से प्रदेश से अन्य राज्यों में जिनिंग फैक्ट्रियों के स्थानांतरण पर रोक लगेगी। साथ ही, जिनिंग फैक्ट्रियों के बढ़ने से लोगों के लिए रोजगार के अधिक अवसर सृजित होंगे। इस कदम से पड़ोसी राज्यों में होने वाली कपास की अवैध निकासी पर भी अंकुश लगेगा।

प्रदेश कपास उद्योग संघ के सचिव राजू पाटीदार (सुसारी) और मध्यांचल कॉटन जीनर्स एवं ट्रेडर्स संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजू जैन ने बताया कि कपास उद्योग संघ पिछले 10 वर्षों से मंडी शुल्क में कमी की मांग कर रहा था। सरकार के इस दूरदर्शी निर्णय से जिनिंग और स्पिनिंग मिलों को बल मिलेगा और राज्य के जीएसटी राजस्व में भी वृद्धि होगी। भोपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर प्रदेश के कपास उद्योग के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को आभार पत्र सौंपा। इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप और विधायक अर्चना चिटनिस को अभिनंदन पत्र, शॉल और मोमेंटो भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में मीराबाई चानू करेंगी भारतीय भारोत्तोलन टीम की अगुवाई

नई दिल्ली (एजेंसी) • ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय भारोत्तोलन टीम की अगुवाई करेंगी। दो बार की कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन मीराबाई चानू ग्लासगो में महिलाओं की 48 किग्रा भारोत्तोलन वर्ग में हिस्सा लेंगी। 31 साल की इस भारतीय वेटलिफ्टर ने अपने करियर में तीन कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक जीते हैं। गोल्ड कोस्ट 2018 (48 किग्रा) और बर्मिंघम 2022 (49 किग्रा) में स्वर्ण और ग्लासगो 2014 (48 किग्रा) में रजत मेडल जीते।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और टोक्यो 2020 ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने आखिरी बार फरवरी में मोदीनगर में नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने 48 किग्रा कैटेगरी में खिताब जीता था। इस साल की शुरुआत में कंधे की चोट से उबरने के लिए उन्होंने मई में एशियन भारोत्तोलन चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था। मीराबाई के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 की पदक विजेता बिंद्यारानी देवी और हरजिंदर कौर भी होंगी, जो क्रमशः महिलाओं की 58 किग्रा और 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लेंगी। दोनों ने चार साल पहले बर्मिंघम में रजत पदक जीते थे।

मप्र राज्य महिला हॉकी एकेडमी की प्रतिभा चयन ट्रायल्स 1 जुलाई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हॉकी इंदौर एसोसिएशन के सचिव किशोर शुक्ला व सहसचिव मो याकुब अंसारी ने बताया कि मध्यप्रदेश खेल व युवा कल्याण विभाग द्वार संचालित मध्यप्रदेश राज्य महिला हॉकी एकेडमी ग्वालियर वर्ष 26-27 के लिए 1 जुलाई को स्थानीय चिमनबाग पर ताहिर हॉकी ट्रेनिंग सेंटर के मैदान पर सुबह 9 बजे चयन ट्रायल्स आयोजित की गई है।

चयन ट्रायल्स मे 12 वर्ष से 18 वर्ष के खिलाडी भाग ले सकेंगे। चयन ट्रायल्स मध्यप्रदेश राज्य महिला हॉकी एकेडमी की मुख्य कोच व सहायक कोच आदि लेगी खेल व युवा कल्याण विभाग इंदौर की क्षेत्रीय अधिकारी रीना चौहान भी उपस्थित रहेगी। चयन ट्रायल्स मे भाग लेने की इच्छुक खिलाडी अतुल खुणे, नितिश गौड से चिमनबाग हॉकी मैदान पर संपर्क करे।

टी20 रन बनाने में ईशान सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी) •टी20 क्रिकेट के लिहाज से बल्लेबाजों के लिए बेहद यादगार साबित हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के साथ विभिन्न घरेलू और फ्रेंचाइजी लीगों में कई बल्लेबाजों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। इस साल अब तक सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन शीर्ष स्थान पर काबिज हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 1135 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भी ईशान का बल्ला जमकर चला और उन्होंने 15 मैचों में 600 से अधिक रन बनाकर अपनी टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इस सूची में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श हैं, जिन्होंने 1128 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिन एलन 1072 रन के साथ तीसरे, दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकेल्टन

1004 रन के साथ चौथे और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 991 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के कुसल मेंडिस 958 रन के साथ छठे नंबर पर मौजूद हैं।

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 935 रन बनाकर सातवें स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम 886 रन के साथ आठवें और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम 872 रन बनाकर नौवें स्थान पर हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन 849 रन के साथ दसवें पायदान पर हैं। इस तरह शीर्ष-10 बल्लेबाजों की सूची में भारत के तीन खिलाड़ियों ने जगह बनाई है। वहीं, युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी फिलहाल 15वें स्थान पर हैं। उन्होंने इस साल केवल आईपीएल में हिस्सा लेते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। सबसे कम उम्र में ऑरेंज कैप जीतने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। अब आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 और इंग्लैंड दौरे की पांच मैचों की श्रृंखला में यदि उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो उनके पास इस सूची में तेजी से ऊपर पहुंचने का बेहतरीन अवसर होगा।

दीया मिर्जा ने सलमान खान की भविष्यवाणी को किया याद

मुंबई (एजेंसी) •अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हाल ही में निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान को अपने घर पर आमंत्रित किया था। यह मुलाकात फराह के यूट्यूब चैनल के लिए थी, दीया मिर्जा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों की एक दिलचस्प और थोड़ी डरावनी घटना को याद किया। उन्होंने अभिनेता सलमान खान के साथ अपनी पहली फिल्म तुमको ना भूल पाएंगे की शूटिंग के दिनों को याद किया, जिसमें सुष्मिता सेन भी उनकी सह-कलाकार थीं। जब फराह खान ने सहजता से सुझाव दिया कि दीया मिर्जा को सलमान खान के साथ एक बार फिर काम करना चाहिए, तो दीया ने मुस्कराते हुए कहा कि अब सलमान युवा अभिनेत्रियों के साथ काम करेंगे। इसी बात पर उन्होंने उस समय को याद किया जब सलमान ने उनके करियर की शुरुआत में ही उनसे एक अजीबोगरीब भविष्यवाणी की थी कि एक दिन वह पर्दे पर उनकी मां का किरदार निभाएंगी। दीया ने बताया कि सलमान खान ने मेरी पहली फिल्म में ही मुझसे कहा था कि देखना एक दिन तू मेरी मां का रोल करेगी। दीया ने साझा किया कि सलमान की यह भविष्यवाणी सुनकर वह उस समय बेहद भयभीत हो गई थीं, क्योंकि वह उस वक्त सिर्फ 19 साल की थीं और उन्होंने अभी-अभी अपना करियर शुरू किया था। उन्होंने उस पल का विस्तार से वर्णन किया: मैं 19 साल की थी। मैं, राजपाल यादव और एसके (सलमान खान) एक शॉट का इंतजार कर रहे थे। फिल्म में सलमान की मां का किरदार निभाने वाली एक महिला थीं। उन्होंने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया था। दीया ने सलमान से कहा कि ये तुम्हारी मां का किरदार निभा रही हैं, और उन्होंने अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है, मतलब वो काफी जवान होंगी। दीया की इस टिप्पणी पर सलमान ने अपने चिर-परिचित अंदाज़ में जवाब दिया, चिंता मत करो, तुम्हारे साथ भी ऐसा ही होगा।

नेटफ्लिक्स पर लॉकअप: सच या सजा - आकांक्षा चमोला के शॉकिंग सीक्रेट ने जेलर्स को चौंकादिया!

मुंबई (एजेंसी) •नेटफ्लिक्स की कैप्टिव रियलिटी सीरीज लॉकअप: सच या सजा का प्रीमियर हुआ। इनमेट्सअपनी सैल्स में पहुँचे ही थे कि शो में अब तक के सबसे हैरतअंगेज सीक्रेट का खुलासा हुआ। अपने इंट्रो में आकांक्षा चमोला से, जो श्रेया कालरा और श्रेष्ठ अय्यर की सैलमेट बनी हैं, से अपना ऐसा सीक्रेट बताने को कहा गया, जो कोई नहीं जानता है। इसके बाद उन्होंने ऐसा कन्फेशन किया,

जिसने न केवल उनके इनमेट्स को चौंका दिया, बल्कि उसे सुनकर जेलर फराह खान और रितेश देशमुख भी भौंचक्के रह गए। पहले दिन की यह हैरतअंगेज शुरुआत थी। लेकिन ड्रामा तो अभी शुरू ही हुआ है। लॉकअप: सच या सजा में हर इनमेट का कोई न कोई सीक्रेट है। हर सच की अपनी कीमत है और हर खुलासा गेम को बदलने की ताकत रखता है। लॉक अप: सच या सजा नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। इसके नए एपिसोड हर शनिवार से बुधवार रात 8 बजे उपलब्ध होंगे।

उज्जैन संभाग

सिंहस्थ सड़क चौड़ीकरण, टूटे मकानों की होगी लैब जांच, बारिश के बाद निगम ने दिए मजबूती जांच के आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान लगातार बारिश और हाल ही में कुछ मकानों के गिरने की घटनाओं ने नगर निगम की चिंता बढ़ा दी है। इसके मद्देनजर, अब तोड़े गए मकानों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रविवार को नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने कंठाल चौराहे से सतीगेट और छत्री चौक तक चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क चौड़ीकरण के लिए तोड़े गए मकानों की मजबूती का परीक्षण किसी अधिकृत लैब में कराया जाए। इसका उद्देश्य भवनों की वास्तविक स्थिति का वैज्ञानिक

आकलन करना और भविष्य में किसी भी दुर्घटना को रोकना है। आयुक्त मिश्रा ने भवन अधिकारियों को उन मकानों की तत्काल जांच कराने का निर्देश दिया, जिनके सामने निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भवन जर्जर या गिरने की स्थिति में हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए, ताकि बारिश के दौरान किसी भी दुर्घटना की आशंका न रहे। निरीक्षण के दौरान सतीगेट से खड़े हनुमान मंदिर तक मलबा हटाने और प्रीकास्ट ड्रेनेज का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, जलभराव रोकने के लिए सीवर मशीनों से पानी की निकासी सुनिश्चित करने को भी कहा गया। छत्री चौक पर नाली के ऊपर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। पानी की टंकी हटने के बाद चौराहे का निर्माण स्वीकृत ड्राइंग-डिजाइन के अनुसार करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्माण एजेंसी को खुले मौसम का लाभ उठाकर छत्री चौक से सत्यनारायण मंदिर तक सड़क निर्माण और पीक्यूसी कार्य जल्द पूरा करने को कहा गया है, ताकि सिंहस्थ-2028 से पहले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

नर्सिंग होम पर कथित फर्जीवाड़े के आरोप, मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना में फर्जी मरीज दिखाकर स्वेच्छानुदान राशि ली

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव • खातेगांव के अजनास रोड स्थित दिव्या नर्सिंग होम पर मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना के तहत कथित फर्जी मरीज दिखाकर राशि स्वीकृत कराने के आरोप सामने आए हैं। इस मामले से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सीएमएचओ कार्यालय ने अस्पताल को नोटिस जारी कर इलाज और भुगतान से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं। दुलवा निवासी रघुनाथ ने आरोप लगाया है कि उसे 1,000 रुपए का लालच देकर नर्सिंग होम बुलाया गया। वहां उसके हाथ में सलाइन जैसी नली टेप से चिपकाकर फोटो खींचे गए और बाद में उसे बताया गया कि काम पूरा हो गया है। कुछ समय बाद उसके मोबाइल पर 10 हजार रुपए स्वीकृत होने का संदेश आया, जिससे उसे मामले की जानकारी मिली।

स्थानीय लोगों पर लोगों को अस्पताल बुलाने का आरोप

रघुनाथ का कहना है कि इसी तरह कई अन्य लोगों को भी पैसे का लालच देकर फर्जी तरीके से मरीज दिखाया गया और योजनाओं का लाभ लिया गया। उसने कुछ स्थानीय लोगों पर लोगों को अस्पताल बुलाने का आरोप भी लगाया है।

बीएमओ डॉ. शुभम तिवारी ने कहा है कि उनके नाम का दुरुपयोग किया गया है और मामले में नोटिस जारी किया गया है। अस्पताल से जुड़े एक प्रतिनिधि ने सभी आरोपों को गलत बताया है।

पंजीकरण और जांच की स्थिति

जानकारी के अनुसार, अस्पताल का पंजीकरण सितंबर 2024 में डॉ. यशोवर्धन काग के नाम से हुआ था। वर्तमान में उनके भोपाल में पदस्थ होने की जानकारी सामने आई है। सीएमएचओ कार्यालय ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। जांच में अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी, वहीं आरोप गलत पाए जाने पर अस्पताल का पक्ष भी दर्ज किया जाएगा।

खाली पदों पर भर्ती और आउटसोर्स व्यवस्था का विरोध, अजाक्स का महाम्मेलन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ (अजाक्स) द्वारा रविवार को उज्जैन के दशहरा मैदान (परेड ग्राउंड) में प्रांतीय साधारण सभा एवं मालवांचल अजाक्स महासम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में प्रदेश के सभी 55 जिलों से आए अधिकारी, कर्मचारी और समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों के साथ कर्मचारी हितों और सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में हजारों प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के अधिकारी-कर्मचारी और समाजजन बड़ी संख्या में उज्जैन पहुंचे। महासम्मेलन में संगठन की आगामी रणनीति, सामाजिक न्याय, कर्मचारी हितों और संगठनात्मक मजबूती को लेकर विभिन्न प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। अजाक्स के जिला अध्यक्ष डॉ. आर.एल. परमार ने कहा कि संगठन वर्ष 2017 से प्रदेश में रिक्त पड़े करीब डेढ़ लाख शासकीय पदों पर नियमित भर्ती की मांग कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिक्त पदों पर नियुक्ति करने के बजाय सरकार उन्हें समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है, जिससे युवाओं के रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं। उन्होंने आउटसोर्स व्यवस्था का भी विरोध करते हुए कहा कि ठेकेदारी प्रणाली में कर्मचारियों को न तो पर्याप्त वेतन मिलता है और न ही अन्य सुविधाएं।

इसका सबसे अधिक लाभ ठेकेदारों को होता है, जबकि कर्मचारी शोषण का शिकार होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में कमी, निजीकरण और आउटसोर्स व्यवस्था के कारण युवाओं के सामने रोजगार का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। डॉ. परमार ने कहा कि अजाक्स सामाजिक न्याय, समान अवसर और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रहा है और कर्मचारियों तथा समाज के अधिकारों की लड़ाई आगे भी जारी रखेगा। महासम्मेलन में सांसद अनिल फिरोजिया, क्षेत्रीय विधायक, कांग्रेस नेता महेश परमार, दिनेश जैन बोस सहित कई जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में अजाक्स के प्रांतीय पदाधिकारी, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी और संगठन के वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद रहे।

तेज आंधी में उड़े टीन शेड, परिवार बाल-बाल बचा, घर के भीतर गिरा मलबा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • जिले की हाटपीपल्या तहसील के ग्राम बढ़िया मांडू में शनिवार को तेज आंधी और बारिश के कारण एक मकान के टीन शेड उड़ गए। इस दौरान टीन शेड के कुछ हिस्से घर के अंदर गिरे, जिससे घरेलू सामान क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, इस घटना में परिवार के सदस्य सुरक्षित बच गए और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। जानकारी के अनुसार, ग्राम बढ़िया मांडू निवासी सचिन मालवीय पिता देवकरण मालवीय के मकान पर लगे टीन शेड तेज हवा से उखड़ गए। घटना के समय परिवार के सदस्य और बच्चे घर के अंदर मौजूद थे। टीन शेड के अचानक गिरने से अफरा-तफरी मच गई, लेकिन सभी सुरक्षित रहे। आंधी और बारिश के कारण घर में रखा खाने-पीने का सामान सहित अन्य घरेलू सामग्री भी खराब हो गई। घटना के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार की मदद की। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज हवा से क्षेत्र में कई अन्य स्थानों पर भी नुकसान की खबरें हैं। राहत की बात यह रही कि घटना के समय घर में मौजूद बच्चे और परिवारजन बाल-बाल बच गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

सिंहस्थ की तैयारी, 45 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए बनेगी नई रणनीति

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ-2028 को अब तक का सबसे व्यवस्थित और सफल आयोजन बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सिंहस्थ-2016 में सेवाएं दे चुके अधिकारियों के अनुभवों से सीख ली। एक निजी होटल में शनिवार को कार्यशाला में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस बार पारंपरिक सोच के बजाय आधुनिक इवेंट मैनेजमेंट, मजबूत बैकअप प्लान और जमीनी रणनीति के साथ काम करना होगा। पूर्व संभागायुक्त डॉ. रवींद्र पस्तोर ने कहा कि सिंहस्थ की तैयारी करने वाले हर अधिकारी को पहले खुद सिंहस्थ को समझना होगा। उज्जैन की परंपरा, अखाड़ों की व्यवस्था और पिछले सिंहस्थ का गहन अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने सुझाव दिया कि हर विभाग के पास कम से कम चार वैकल्पिक योजनाएं (प्लान ए, बी, सी और डी) तैयार रहें, ताकि किसी भी स्थिति में व्यवस्थाएं प्रभावित न हों। उन्होंने अधिकारियों को दफ्तरों से निकलकर फील्ड में 'स्टैंडअप मीटिंग'

करने और मौके पर जाकर समस्याओं का समाधान निकालने की सलाह दी। सिंहस्थ-2016 में 5 से 7 करोड़ श्रद्धालुओं की व्यवस्था की गई थी, जबकि सिंहस्थ-2028 में लगभग 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इसलिए हर सेक्टर में आवश्यक सामग्री पहले से उपलब्ध कराना और अखाड़ों की परंपराओं को समझकर संतों से बेहतर संवाद स्थापित करना बेहद महत्वपूर्ण होगा। पूर्व कलेक्टर कवींद्र कियावत ने सुझाव दिया कि शिप्रा नदी पर बने नए 29 किलोमीटर घाटों का धार्मिक और पौराणिक महत्व प्रचारित किया जाए। इससे श्रद्धालु अलग-अलग घाटों तक पहुंचेंगे और एक ही स्थान पर भीड़ का दबाव नहीं बनेगा।

मैं किसी की रबर स्टैंप नहीं, अपनी भूमिका खुद निभाऊंगी : मिमरोट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम परिषद में कांग्रेस की नई नेता प्रतिपक्ष बनीं सोनिला मिमरोट ने स्पष्ट किया है कि वे किसी की 'रबर स्टंप' नहीं हैं, बल्कि पूरी स्वतंत्रता और जिम्मेदारी के साथ विपक्ष की भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उन पर विश्वास जताया है और वे जनता की आवाज उठाएंगी। इंदौर को साफ पानी मिले और वे स्वस्थ रहें इसी दिशा में वे काम करेंगी।

डबल एमए शिक्षित सोनिला मिमरोट पहली बार चुनाव लड़कर पार्षद बनी हैं। उनका कहना है कि राजनीति में उनकी सक्रियता भले ही हाल के वर्षों में बढ़ी हो, लेकिन सामाजिक और जनसरोकार के कार्यों से उनका जुड़ाव लंबे समय से रहा है। सोनिला आज सुबह नगर निगम स्थित नेता प्रतिपक्ष कार्यालय पहुंचेंगी और पदभार ग्रहण करेंगी।

महिलाओं को कम आंकने की सोच गलत

यह पूछे जाने पर कि क्या वे केवल चेहरा होंगी और वास्तविक जिम्मेदारी कोई दूसरा निभाएगा, उन्होंने साफ कहा कि यह महिलाओं को कम आंकने वाली सोच है। उन्होंने कहा कि पार्षद के रूप में उन्होंने पहले भी सक्रिय भूमिका निभाई है और उन्हें पता है कि सदन में जनता के मुद्दे कैसे उठाए जाते हैं। वरिष्ठ नेताओं की सलाह का स्वागत रहेगा, लेकिन निर्णय और जिम्मेदारी वे स्वयं निभाएंगी।

जनसरोकार के मुद्दों से रहा जुड़ाव

सोनिला मिमरोट ने इतिहास और फाइन आर्ट्स में डबल एमए किया है। उन्होंने बताया कि राजनीति में आने से पहले वे सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ कार्य करती रही हैं। परिवार का भी राजनीतिक माहौल रहा, जिससे जनसरोकार के मुद्दों से उनका जुड़ाव बना रहा। पहली बार चुनाव लड़ने का अवसर मिला और जनता ने उन्हें जीत दिलाकर जिम्मेदारी सौंपी।

नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी के भीतर असंतोष की चर्चाओं पर उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता दीपू यादव से उनकी बातचीत हुई है। वे उनके घर भी मिलने गई थीं, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वे दोबारा उनसे मिलने जाएंगी। उनके मुताबिक सभी पार्षद पार्टी के साथ हैं और मिलकर काम करेंगे। यदि किसी को यह लगता है कि उन्हें यह जिम्मेदारी मिलनी चाहिए थी, तो यह स्वाभाविक भावना हो सकती है, लेकिन इससे संगठन में कोई मनमुटाव नहीं है। सोनिला मिमरोट ने बताया कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की जानकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और वरिष्ठ नेता हरीश चौधरी की ओर से दी गई।

इंदौर निगम घोटाला

फर्जी नामांतरण की जांच में अब 3 सदस्यीय कमेटी करेगी पड़ताल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम में रातों-रात हुए 350 से ज्यादा नामांतरण की जांच में नया मोड़ आ गया है। मामले की जांच अब तक अपर आयुक्त आकाश सिंह कर रहे थे। उन्होंने सोमवार शाम तक मामले में रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तैयारी कर भी ली थी, लेकिन अब मामले की जांच तीन सदस्यीय कमेटी करेगी।

इस कमेटी में अपर आयुक्त आकाश सिंह के साथ अपर आयुक्त अर्थ जैन और आईटी विभाग के कपिल गेहलोत को शामिल किया गया है। दावा है कि समिति का दायरा बढ़ने के बाद अब जांच में नए बिंदु शामिल किए जाएंगे। आईटी विभाग से एक व्यक्ति के समिति में होने से

विस्तृत जांच में मदद मिलेगी और फर्जीवाड़े में शामिल आरोपितों की पहचान आसान होगी। नई समिति गठित होने के बाद अब जांच रिपोर्ट इस सप्ताह के अंत तक पेश होने की उम्मीद है। इधर जिन छह लोगों को अपर आयुक्त आकाश सिंह ने नोटिस जारी किए थे, उनमें से चार ने जवाब सौंप दिए हैं। इन सभी ने फर्जीवाड़े में अपनी भूमिका से इंकार किया है। फर्जी नामांतरण जनवरी से मार्च 2026 के बीच किए गए थे। इनमें संपत्तिकर खातों में संपत्ति स्वामियों के नाम बदले गए। आरोपितों ने फर्जीवाड़े को रात 10 से सुबह तीन बजे के बीच अंजाम दिया था।

राजस्व समिति प्रभारी ने सवा माह पहले ही लिख दिया था पत्र

चौंकाने वाली बात यह है कि राजस्व समिति प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने 26 मई 2026 को ही निगमायुक्त को घोटाले के संबंध में पत्र लिखकर जांच की मांग की थी, लेकिन उस वक्त उनकी बात पर किसी ने कान नहीं धरा। चौहान ने पत्र में स्पष्ट कहा था कि मेरे द्वारा एमआईएस की आईडी भी मांगी गई थी, जो मुझे उपलब्ध कराने के कुछ ही दिन बाद बंद कर दी गई। इससे स्पष्ट है कि निगम के ही कुछ कर्मचारी इस भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ काम नहीं होने देना चाहते।

संगठन को मजबूती देने कांग्रेस भी भाजपा-संघ की राह पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से कांग्रेस अब भाजपा और आरएसएस की तर्ज पर आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने जा रही है। इंदौर संभाग में 4 से 19 जुलाई के बीच प्रत्येक जिले में दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे, जिसमें नेताओं और पदाधिकारियों को प्रशिक्षण स्थल पर ही रात्रि विश्राम करना होगा।

अब तक इस तरह के आवासीय प्रशिक्षण शिविर भाजपा और आरएसएस की पहचान रहे हैं, जहां संगठन की विचारधारा, कार्यशैली और चुनावी रणनीतियों को कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया जाता है। इसी मॉडल को अपनाते हुए कांग्रेस ने भी प्रदेशभर में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की शुरुआत की है। प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों के अनुसार रीवा और उज्जैन संभाग में इस तरह के शिविर पहले ही हो चुके हैं। जुलाई में इंदौर के अलावा जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में भी दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। शिविर में ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और नगर अध्यक्षों को विशेष रूप से शामिल किया जाएगा। सभी प्रतिभागियों को दो दिन तक प्रशिक्षण स्थल पर ही रुकना होगा। शिविर के आयोजन स्थल का चयन संबंधित जिला और शहर इकाइयां करेंगी।

गैस पाइपलाइन विस्फोट : 7 दिन बाद भी जांच अधूरी, चार लोग अब भी गंभीर; जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई का इंतजार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्य प्रदेश के इंदौर के विजयनगर क्षेत्र में 23 जून को हुए गैस पाइपलाइन विस्फोट मामले में सात दिन बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी है। हादसे में गंभीर रूप से झुलसे चार लोगों का इलाज जारी है, जबकि घटना की जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया धीमी बनी हुई है।

पुलिस ने मामले की जांच के तहत नगर निगम से उन अधिकारियों की जानकारी मांगी है, जो संबंधित कार्य और निगरानी के लिए जिम्मेदार थे। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि खुदाई और पाइपलाइन सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन किया गया था या नहीं।

जानकारी के मुताबिक, अब तक पुलिस ने केवल बोरिंग मशीन के ड्राइवर और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की है। हालांकि, हादसे में किसी सरकारी अधिकारी या अन्य जिम्मेदार व्यक्ति की भूमिका को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई है।

पुलिस और संबंधित विभाग इस बात की जांच कर रहे हैं कि गैस पाइपलाइन के ऊपर खुदाई की अनुमति ली गई थी या नहीं, सुरक्षा मानकों का पालन हुआ था या नहीं और लापरवाही किस स्तर पर हुई।

घायलों का इलाज जारी

विस्फोट में झुलसे चारों लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं और उनका उपचार जारी है। पुलिस का कहना है कि नगर निगम से मांगी गई जानकारी मिलने के बाद जांच को आगे बढ़ाया जाएगा और साक्ष्यों के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएवीवी : तीन साल में पीएचडी पूरी कराने की तैयारी, कैलेंडर जारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के लिए डीईटी और नॉन-डीईटी श्रेणी के लिए विस्तृत शैक्षणिक कैलेंडर जारी किया है। विश्वविद्यालय का लक्ष्य शोध कार्यों को व्यवस्थित कर पीएचडी पूरी करने की अवधि को वर्तमान चार से छह वर्ष के बजाय तीन वर्ष तक सीमित करना है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार सभी विषयों के लिए रिसर्च एडवाइजरी कमेटी के इंटरव्यू 1 से 31 जुलाई के बीच आयोजित किए जाएंगे। विभागों को 31 जुलाई तक चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम सूची जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद 3 अगस्त से 31 अक्टूबर तक 40 विषयों का पीएचडी कोर्स वर्क संचालित होगा। सेमेस्टर परीक्षाएं 16 से 21 नवंबर के बीच होंगी और 30 नवंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसके बाद शोधार्थी अपने शोध एवं थीसिस कार्य की शुरुआत कर सकेंगे।

तीन वर्षों में 55 फीसदी घटी पीएचडी में रुचि

विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश के प्रति छात्रों का रुझान लगातार कम हो रहा है। पिछले तीन वर्षों में पीएचडी आवेदनों में करीब 55 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। शिक्षाविदों का मानना है कि निजी विश्वविद्यालयों की बढ़ती लोकप्रियता और 27 विषयों में नेट अनिवार्यता इसके प्रमुख कारण हैं। केवल 13 इंजीनियरिंग विषयों में ही नेट की बाध्यता नहीं है। विषयों के अनुसार आवेदनों में बड़ा अंतर देखने को मिला है। फिजिक्स में 28 सीटों के लिए केवल दो आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि कम्प्यूटर साइंस में 34 सीटों पर 16 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। दूसरी ओर लॉ में 11 सीटों के लिए 74 आवेदन, समाजशास्त्र में पांच सीटों के लिए 51 आवेदन और अर्थशास्त्र में 22 सीटों के लिए 94 पंजीयन प्राप्त हुए हैं। ये विषय इस वर्ष सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी शोध कार्यक्रमों में शामिल हैं।

कई विषयों में सीटें ज्यादा, आवेदन कम

प्रवेश आंकड़ों के अनुसार कई विषयों में उपलब्ध सीटों की तुलना में आवेदन काफी कम आए हैं। कॉमर्स में 156 सीटों के मुकाबले केवल 39 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि मैनेजमेंट में 99 सीटों के लिए 53 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है। नॉन-डीईटी श्रेणी में 25 विषयों में कुल 507 सीटें उपलब्ध हैं, जिनके लिए 176 शोध मार्गदर्शक नियुक्त हैं। इस श्रेणी में नेट उत्तीर्ण 509 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया है।

इंदौर-मुंबई स्पेशल ट्रेन को नियमित करने की तैयारी, रेलवे कर रहा मंथन

अवंतिका एक्सप्रेस का दबाव कम करने के लिए शुरू की गई थी ट्रेन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर और मुंबई के बीच संचालित की जा रही स्पेशल ट्रेन को नियमित ट्रेन के रूप में चलाने की तैयारी शुरू हो गई है। यात्रियों के बेहतर प्रतिसाद और लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे इस दिशा में मंथन कर रहा है। फिलहाल ट्रेन के फेरों को 29 जुलाई तक बढ़ाया जा चुका है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस ट्रेन को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य अवंतिका एक्सप्रेस पर बढ़ते यात्री दबाव को कम करना था। इंदौर-मुंबई रूट पर अवंतिका एक्सप्रेस लंबे समय से यात्रियों की पहली पसंद रही है, लेकिन लगातार वेटिंग की समस्या के कारण अतिरिक्त ट्रेन की जरूरत महसूस की जा रही थी। स्पेशल ट्रेन शुरू होने के बाद यात्रियों ने इसका भरपूर उपयोग किया है। बेहतर ऑक्युपेंसी और सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद रेलवे अब इसे स्थायी रूप से नियमित ट्रेन के रूप में संचालित करने पर विचार कर रहा है।

29 जुलाई तक बढ़ चुके हैं फेरे- पश्चिम रेलवे ने हाल ही में ट्रेन संख्या 09079 मुंबई सेंट्रल-इंदौर स्पेशल को 28 जुलाई और ट्रेन संख्या 09080 इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल को 29 जुलाई तक विस्तारित कर दिया है। इससे स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि रेलवे इस रूट पर यात्रियों की मांग को गंभीरता से ले रहा है।

व्यापार और पर्यटन के लिहाज से अहम है रूट- इंदौर और मुंबई के बीच बड़ी संख्या में व्यापारी, विद्यार्थी, मरीज और पर्यटक सफर करते हैं। ऐसे में एक अतिरिक्त नियमित ट्रेन शुरू होने से यात्रियों को राहत मिलेगी और अवंतिका एक्सप्रेस पर दबाव भी कम होगा। रेलवे सूत्रों का मानना है कि यदि मांग इसी तरह बनी रही तो भविष्य में इस स्पेशल ट्रेन को स्थायी पहचान मिल सकती है।

कुमेड़ी में बने आईएसबीटी से बस संचालन का रास्ता साफ

आईडीए ने संचालन कंपनी को जारी किया वर्कऑर्डर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • करीब 100 करोड़ से बने प्रदेश के सबसे बड़े अंतरराज्यीय बस स्टैंड आईएसबीटी कुमेड़ी से बस संचालन का रास्ता अब धीरे-धीरे साफ हो रहा है। आईडीए ने बस संचालन करने वाली कंपनी को वर्कऑर्डर जारी कर दिया है। इसके साथ ही लंबे समय से अटकी बस संचालन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। जल्द ही इस आधुनिक बस टर्मिनल से करीब 1400 बसों का नियमित संचालन शुरू होने की उम्मीद है।

आईडीए लंबे समय से आईएसबीटी को पूरी तरह संचालित करने के लिए प्रयास कर रहा था। बस ऑपरेटरों से समन्वय, संचालन व्यवस्था और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद अब कंपनी को वर्कऑर्डर जारी कर दिया है। इसके बाद कंपनी बस स्टैंड पर आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित करने और संचालन की तैयारियां शुरू करेगी। कुमेड़ी से प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों के प्रमुख शहरों के लिए बसें चलेंगी। इससे शहर के भीतर संचालित हो रहे पुराने और भीड़ वाले बस स्टैंडों पर दबाव कम होगा।

कई सुविधाएं मिलेंगी- करीब 15 एकड़ क्षेत्र में बने इस बस स्टैंड के पूर्ण रूप से संचालित होने पर यहां से 1400 बसें विभिन्न शहरों और राज्यों की ओर चलेंगी, जिनमें 80 हजार यात्री प्रतिदिन सफर कर सकेंगे। बस स्टैंड में 14 टिकट काउंटर संचालित होंगे। यहां 500 यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय, पार्किंग, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

खजाने पर बढ़ रहा बोझ : सरकार लेगी 18,600 करोड़ का नया कर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • कर्ज में डूबी मप्र सरकार ने अगली तिमाही के लिए कर्ज लेने का प्रस्ताव आरबीआई को दे दिया है। जिसे मंजूर किया गया है। इस प्रस्ताव के तहत मप्र सरकार जुलाई, अगस्त और सितंबर तीन माह में 18 हजार 600 करोड़ का कर्ज लेगी।

मध्यप्रदेश सरकार का कुल कर्ज अब 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के लिए नया कर्ज प्लान बनाया है। जुलाई से सितंबर के बीच सरकार आरबीआई से 18,600 करोड़ का लोन लेगी। सितंबर महीने में सरकार सबसे ज्यादा 8,000 करोड़ रुपए का कर्ज उठाने वाली है। इस भारी कर्ज के कारण एमपी के हर नागरिक पर 55 हजार से अधिक का बोझ है।

सरकार का नया कर्जा- मप्र सरकार का कर्जा पांच लाख करोड़ को पार कर चुका है। फ्री बिज स्कीम ने आर्थिक हालत खस्ता कर दी है। अब प्रदेश सरकार ने आरबीआई को वित्तीय साल 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई से सितंबर) के लिए कर्ज लेने का जो प्लान भेजा है। सरकार तीन माह में 18 हजार 600 करोड़ का कर्जा लेने जा रही है।

जुलाई माह में 3600 करोड़ लेगी- आरबीआई द्वारा मप्र सरकार के स्वीकृत कर्ज प्लान के अनुसार सरकार 8 जुलाई को एक हजार 600 और दो हजार करोड़ के कर्ज लेगी। यह अलग-अलग अवधि के होंगे।

अगस्त में 7000 करोड़ उठाएगी- अगस्त माह में पांच अगस्त को सरकार एक हजार 600 और दो हजार करोड़ के कर्ज लेगी, जो अलग-अलग अवधि के हैं। फिर इसी माह में 19 अगस्त को वह 1400 और दो हजार करोड़ के कर्ज और लेगी। यानी अगस्त में कुल कर्जा सात हजार करोड़ का लिया जाएगा।

सितंबर में सबसे ज्यादा 8000 करोड़ लेगी- वहीं सितंबर माह में सरकार सबसे ज्यादा आठ हजार करोड़ का कर्ज ले जा रही है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार सरकार दो सितंबर को एक हजार 600 और दो हजार करोड़ के कर्ज लेगी। फिर 16 सितंबर को एक हजार करोड़, एक हजार 400 करोड़ और दो हजार करोड़ का और कर्ज लिया जाएगा। इसके बाद 30 सितंबर को फिर एक हजार 600 व 2 हजार करोड़ का कर्जा लिया जाएगा। यह सभी अलग-अलग अवधि के लिए हैं। कोई 6 से 10 साल तो कोई 11 से 15 साल, किसी कर्ज की सीमा 21 से 25 साल है।

मप्र में प्रति व्यक्ति इतना है कर्जा- मप्र सरकार पर कर्ज 5 लाख करोड़ को पार कर चुका है। इसके चलते मप्र में जन्म लेने वाले हर व्यक्ति पर जन्म के समय से ही 55 हजार से अधिक का कर्ज हो जाता है। मध्यप्रदेश सरकार इन तीन महीनों में कुल 18 हजार 600 करोड़ रुपए का कर्ज लेगी। जुलाई में 3600, अगस्त में 7000 और सितंबर में 8000 करोड़ उधार लिए जाएंगे। यह कर्ज आरबीआई के ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के जरिए नीलामी से लिया जाएगा।

जुलाई में मुख्यमंत्री की क्लास, कलेक्टर एसपी से मांगा जाएगा काम का हिसाब

तैयारियों में जुटा सीएस कार्यालय, हर जिले से मंगाई जा रही जानकारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अगले महीने जुलाई में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की एक महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस लेने जा रहे हैं। इसके लिए मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से इसके निर्देश जारी कर दिए गए हैं। यह पूरी बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित की जाएगी जिसमें सरकार के एजेंडे और कानून व्यवस्था को लेकर कड़े फैसले हो सकते हैं।

इस एकशन कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री अधिकारियों को पूर्व में दिए गए टास्क और उनके क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानेंगे। बैठक में मुख्य रूप से जिन बिंदुओं पर फोकस रहेगा उनमें विकास योजनाएं, लॉ एंड ऑर्डर, केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं और अन्य अहम विषय शामिल रहेंगे। इस बैठक में प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों के उन्नयन और भूमि पूजन के बाद उनकी वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

हर संभाग का होगा डिवीजन प्रजेंटेशन

मुख्य सचिव के निर्देशानुसार बैठक के दौरान हर संभाग का एक विशेष डिवीजन प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री की मुख्य बैठक से पहले मुख्य सचिव कार्यालय में खुद अधिकारियों के कामकाज की प्रारंभिक समीक्षा की जाएगी जिससे कमियों को पहले ही चिहित किया जा सके।

केंद्रीय और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन जिलों में कितना प्रभावी ढंग से हो रहा है, इसका पूरा ब्यौरा देखा जाएगा। प्रदेश में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सीएम खुद कड़ा रुख अपना सकते हैं। कॉन्फ्रेंस को लेकर मुख्य सचिव कार्यालय पूरी तरह से एक्टिव मोड में है। बैठक की तैयारियों को लेकर बड़े कदम उठाए गए हैं। जिसमें जिला स्तर पर सभी विभागों का खाका और कलेक्टर्स से उनके कामकाज का पूरा हिसाब मांगा गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबरें एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।